

THE WORKMEN'S COMPENSATION RULES, 1924

Notifi No. L-1182, dated 26th June, 1924.—In exercise of the powers conferred by Section 32 of the Workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923), the Governor-General in Council is pleased to make the following rules.—

PRELIMINARY

1. Short title.—These rules may be called the Workmen's Compensation Rules, 1924.

2. Definitions.—In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context,—

- (a) the "Act" means the Workmen's Compensation Act, 1923;
- (b) "Form" means a form appended to these rules;
- (c) "section" means a section of the Act.

PART I

REVIEW OF HALF-MONTHLY PAYMENTS AND COMMUTATION THEREOF

3. When application may be made without medical certificate.—Application for review of a half-monthly payment under Section 6 may be made without being accompanied by a medical certificate.—

- (a) by the employer, on the ground that since the right to compensation was determined the workmen's wages have increased;
- (b) by the workman, on the ground that since the right to compensation was determined his wages have diminished;
- (c) by the workman, on the ground that the employer, having commenced to pay compensation, has ceased to pay the same, notwithstanding the fact that there has been no change in the workmen's condition such as to warrant such cessation;
- (d) either by the employer or by the workman, on the ground that in the determination of the rate of compensation for the time being in force was obtained by fraud or undue influence or other improper means;
- (e) either by the employer or by the workman, on the ground that in the determination of compensation there is a mistake or error apparent on the face of the record.

4. Procedure on application for review.—If, on examining an application for review by an employer in which the reduction of discontinuance of half-monthly payments is sought, it appears to the Commissioner that there is reasonable ground for believing that the employer has a right to such reduction or discontinuance, he may at any time issue an order withholding the half-monthly payments in whole or in part pending his decision on the application.

5. Procedure on application for commutation.—(1) Where application is made to the Commissioner under Section 7 for the redemption of a right to receive half-monthly payments by the payment of a lump sum, the Commissioner shall form an estimate of the probable duration of the disablement, and shall award a sum equivalent to the total of the half-monthly payments which would be payable for the period during which he estimates that the disablement will continue, less one-half per cent of that total for each month comprised in that period:

कर्मकार प्रतिकर नियम, 1924

अधिसूचना सं० ठ-1182, दिनांक 26 जून, 1924.—कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 का (1923 का 7) की धारा 32 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सपरिषद् गवर्नर जनरल निम्नलिखित नियम बनाने के लिये इच्छुक हैं :

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों को "कर्मकार प्रतिकर नियम 1924" पुकारा जा सकेगा।
2. परिभाषाएँ.—इन विषयों में यदि विषय या सन्दर्भ में कुछ विरुद्ध नहीं है तो—
(क) "अधिनियम" का अभिप्राय "कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1924" होगा;
(ख) "प्रारूप" का अभिप्राय इन नियमों में सम्मिलित प्रारूप से होगा;
(ग) "धारा" का अभिप्राय अधिनियम की धारा से है।

भाग I

अर्द्धमासिक संदायों का पुनर्विलोकन और उनका सारांशीकरण

3. चिकित्सीय प्रमाण-पत्र के बिना आवेदन कब किया जा सकता है.—धारा 6 के तहत अर्द्धमासिक संदाय के पुनर्विलोकन के लिये आवेदन साथ में चिकित्सीय प्रमाण-पत्र दिये बगैर किया जा सकता है—

- (क) नियोजक द्वारा, इस आधार पर कि जब से प्रतिकर के अधिकार का निर्धारण हुआ है उसकी मजदूरी कम हो गयी है;
- (ख) कर्मकार द्वारा, इस आधार पर कि जबसे प्रतिकर के अधिकार का निर्धारण हुआ है उसकी मजदूरी कम हो गयी है;
- (ग) कर्मकार द्वारा, इस आधार पर कि नियोजन ने प्रतिकर अदा करना प्रारम्भ करके प्रतिकर अदा करना बन्द कर दिया है, यह तथ्य होते हुये भी कर्मकार को दशा में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जैसे ऐसे कार्यवरोध का उचित कारण बताना;
- (घ) या तो नियोजक या कर्मकार द्वारा, इस आधार पर कि तत्समय प्रवृत्त प्रतिकर को दर का निर्धारण कपट अथवा अनुचित प्रभाव अथवा अन्य अनुचित साधनों से किया गया था;
- (ङ) नियोजक द्वारा या कर्मकार द्वारा, इस आधार पर कि प्रतिकर के निर्धारण में अभिलेख में प्रत्यक्षतः भूल अथवा गलती हुयी है।

4. पुनर्विलोकन के लिये आवेदन पर प्रक्रिया.—नियोजक द्वारा पुनर्विलोकन के लिये ओवेदन जिसमें उसने अर्द्ध मासिक संदाय के बन्द की कमी को चाहा है के परीक्षण करने पर अगर आयुक्त को यह मालूम पड़े कि यह विश्वास करने के लिये उचित कारण है कि नियोजक को ऐसी कटौती या बन्द का अधिकार है तो वह आवेदन के निर्णय के लम्बित रहते अर्द्धमासिक संदाय को पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से रोकने का आदेश दे सकता है।

5. सारांशीकरण के लिये आवेदन पर प्रक्रिया.—(1) जहां एकमुश्त राशि के संदाय के रूप में अर्द्धमासिक संदाय को प्राप्त करने के अधिकार से छूटकारा के लिये धारा 7 के तहत आयुक्त को पास आवेदन किया गया हो तो आयुक्त निःशकता की सम्भव अवधि का प्राक्कलन करेगा और सम्पूर्ण अर्द्धमासिक संदाय के बराबर राशि अधिनिर्णीत करेगा जो उस कालावधि के लिये देय होगी जब तब उसके अनुमान से निःशकता जारी रहेगी, उस कालावधि के प्रत्येक महीने की कुल राशि को आधा प्रतिशत कम घटाकर होगी :

Provided that fractions of a rupee included in the sum so computed shall be disregarded.

(2) When, in any case to which sub-rule (1) applies, the Commissioner is unable to form an approximate estimate of the probable duration of the disablement, he may from time to time postpone a decision on the application for a period not exceeding two months at any one time.

PART II

DEPOSIT OF COMPENSATION

6. Deposit under Section 8 (1).—(1) An employer depositing compensation with the Commissioner under sub-section (1) of Section 8, in respect of a workman whose injury has resulted in death shall furnish therewith a statement in Form A, and shall be given a receipt in Form B. In other cases of deposits with the Commissioner under sub-section (1) of Section 8, the employer shall furnish a statement in Form AA, and shall be given a receipt in Form B.

(2) If, when depositing compensation in respect of fatal accidents, the employer indicates in the statement referred to in sub-rule (1) that he desires to be made a party to the distribution proceedings, the Commissioner shall, before allotting the sum deposited as compensation, afford to the employer an opportunity of establishing that the person to whom he proposes to allot such sum is not a dependent of the deceased workman or, as the case may be, "that no one of such persons is a dependent".

(3) The statement of disbursements to be furnished on application by the employer under sub-section (4) of Section 8 shall be in Form C.

7. Publication of list of deposits.—The Commissioner shall cause to be displayed, in a prominent position outside his office, an accurate list of the deposits received by him under sub-section (1) of Section 8, together with the names and addresses of the depositors and of the workmen in respect of whose death or injury the deposits have been made.

8. Application by dependents for deposit of compensation.—(1) A dependent of a deceased workman may apply to the Commissioner for the issue of an order to deposit compensation in respect of the death of the workman. Such application shall be made in Form C.

(2) If compensation has not been deposited, the Commissioner shall dispose of such application in accordance with the provisions of Part V of these rules:

Provided that—

(a) the Commissioner may, at any time before issues are framed, cause notice to be given in such manner as he thinks fit to all or any of the dependants of the deceased workman who have not joined in the application, requiring them, if they desire to join therein, to appear before him on a date specified in this behalf;

(b) any dependent to whom such notice has been given and who fails to appear and to join in the application on the date specified in the notice shall not be permitted thereafter to claim that the employer is liable to deposit compensation unless he satisfies the Commissioner that he was prevented by any sufficient cause from appearing when the case was called on for hearing.

(3) If, after completing the enquiry into the application, the Commissioner issues an order requiring the employer to deposit compensation in accordance with sub-section (1) of Section 8, nothing in sub-rule (2) shall be deemed to prohibit the allotment of any part of the sum deposited as compensation to a dependent of the deceased workman who failed to join the application.

नियम 6-8]

परन्तु इस प्रकार गणना में सम्मिलित रुपये की भिन्नों की उपेक्षा की जायेगी।

(2) किसी ऐसे मामले में जिस पर उपनियम (1) लागू होता हो, जब आयुक्त निःशक्ता को अधिसम्भाव्य अवधि का अनुमानित आंकलन करने में असमर्थ रहे तो वह समय-समय पर एक अवधि के लिये जो किसी एक साथ एक समय पर दो महीने से अधिक नहीं हो आवेदन पर निर्णय टाल सकता है।

भाग II

प्रतिकर को निक्षेप करना

6. धारा 8 (1) के तहत निक्षेपण.—(1) उस कर्मकार के सम्बन्ध में जिसकी चोट मृत्यु का कारण बनी धारा 8 की उपधारा (1) के तहत आयुक्त के पास प्रतिकर जमा कराने वाला नियोजन प्रारूप-क में उसके साथ विवरण प्रस्तुत करेगा और उसे प्रारूप-ख में एक रसीद प्राप्त होगी। धारा 8 की उपधारा (1) के तहत आयुक्त के पास निक्षेपण के अन्य मामलों में नियोजक प्रारूप-क में विवरण देगा और उसे रसीद प्रारूप-ख में दी जायेगी।

(2) घातक दुर्घटनाओं के बारे में प्रतिकर जमा करते समय यदि नियोजक उपनियम (1) में उल्लिखित कथन में यह संकेत देता है कि वह वितरण कार्यवाही में पक्षकार बनने का इच्छुक है तो जमा राशि को प्रतिकर के रूप में आवण्टित करने से पहले आयुक्त नियोजक को यह स्थापित करने का अवसर देगा कि वह व्यक्ति जिसको वह ऐसी राशि को आवण्टित करने का प्रस्ताव कर रहा है मृत कर्मकार का आश्रित नहीं है अथवा, जैसी भी स्थिति हो, और यह कि "ऐसे व्यक्तियों में कोई आश्रित नहीं है।"

(3) धारा 8 की उपधारा (4) के तहत नियोजक द्वारा आवेदन में 14 जाने वाले संवितरणों का कथन प्रारूप-ग में होगा।

7. निक्षेपणों की सूची का प्रकाशन.—आयुक्त धारा 8 की उपधारा (1) के तहत उसके द्वारा प्राप्त की गयी निक्षेपणों की सही सूची का निक्षेपकों और उन कर्मकारों के जिनकी मृत्यु या क्षति के बारे में प्रतिकर जमा किया गया है के नाम व पता सहित अपने कार्यालय के बाहर प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करवायेगा।

8. प्रतिकर जमा करवाने के लिये आश्रितों द्वारा आवेदन.—(1) मृत कर्मकार का कोई आश्रित मृत कर्मकार के बारे में प्रतिकर जमा करवाने के लिये आदेश जारी करने के लिये आयुक्त को आवेदन कर सकता है। ऐसा आवेदन प्रारूप-ग में होगा।

(2) यदि प्रतिकर जमा नहीं किया गया है तो आयुक्त इन नियमों के भाग-V के उपबन्धों के अनुसार आवेदन का निस्तारण कर देगा :

परन्तु (क) विवाहकों के निर्मित होने से पहले किसी समय भी आयुक्त मृत कर्मकार के सभी आश्रितों या उनमें से किसी एक को जो आवेदन में शामिल नहीं है यदि वे उसमें शामिल होने की इच्छा प्रकट करें तो इस सम्बन्ध में विनिर्दिष्ट तरीख पर अपने समक्ष उन्हें पेश होने की अपेक्षा करते हुये नोटिस दिलवा सकेगा जैसा वह उचित समझे।

(ख) वह कोई आश्रित जिसे ऐसा नोटिस दे दिया गया है और नोटिस में विनिर्दिष्ट तरीख को पेश होने व आवेदन में सम्मिलित होने में विफल रहता है तो इसके बाद वह दावा करने के लिये अनुज्ञात नहीं होगा कि नियोजक प्रतिकर जमा करने का दावा है यदि वह आयुक्त सन्तुष्ट नहीं कर देता कि जब मामले की सुनवाई हुई तो पेश न हो पाने का पर्याप्त कारण था।

(3) आवेदन में जांच पूरी कर लेने के बाद यदि आयुक्त धारा 8 की उपधारा (1) के अनुसार नियोजक को प्रतिकर जमा करने के लिये अपेक्षा करने वाला आदेश जारी करता है तो उपनियम (2) में कुछ भी मृत कर्मकार के आश्रित को जो आवेदन में शामिल होने में विफल रहा प्रतिकर के रूप में जमा की गयी राशि के किसी भाग को आवण्टित करने के लिये रोकने वाला नहीं माना जायेगा।

9. Deposit under Section 8 (2).—An employer depositing compensation in accordance with sub-section (2) of Section 8, shall furnish therewith a statement in Form D, and shall be given a receipt in Form E.

10. Investment of money.—Money in the hands of Commissioner may be invested for the benefit of the dependents of deceased workman in Government Securities or Post Office Cash Certificates, or may be deposited in a Post Office Savings Bank.

PART III

REPORTS OF ACCIDENTS

11. Report of fatal accidents.—The report required by Section 10-B, shall, subject to such rules, if any, as may be made by the State Government, be in Form EE.

12. Right of employer to present memorandum when information received.—(1) Any employer who has received information of an accident may at any time, notwithstanding the fact that no claim for compensation has been instituted in respect of such accident, present to the Commissioner a memorandum, supported by an affidavit made by himself or by any person subordinate to him having knowledge of the facts stated in the memorandum, embodying the results of any investigation or enquiry which has been made into the circumstances or cause of the accident.

(2) A memorandum presented under sub-rule (1) shall, subject to the payment of such fee as may be prescribed, be recorded by the Commissioner.

PART IV

MEDICAL EXAMINATION

13. Workman not to be required to submit to medical examination save in accordance with rules.—A workman who is required by sub-section (1) of Section 11 to submit himself for medical examination shall be bound to do so in accordance with the rules contained in this part and not otherwise.

14. Examination when workman and medical practitioner both on premises.—When such workman is present at the employer's premises, and the employer offers to have him examined free of charge by a qualified medical practitioner who is so present, the workman shall submit himself for examination forthwith.

15. Examination in other cases.—In cases to which Rule 14 does not apply, the employer may,—

(a) send the medical practitioner to the place where the workman is residing for the time being in which case the workman shall submit himself for medical examination on being requested to do so by the medical practitioner, or

(b) send to the workman an offer in writing to have him examined free of charge by a qualified medical practitioner, in which case the workman shall submit himself for medical examination at the employer's premises or at such other place in the vicinity as is specified in such offer and at such time as is so specified:

Provided that,—

(i) the time so specified shall not, save with the express consent of the workman, be between the hours of 7 p.m. and 6 a.m., and

(ii) in cases where the workman's condition renders it impossible or inadvisable that he should leave the place where he is residing for the examination save at such place.

9. धारा 8 (2) के तहत निक्षेपण.—धारा 8 की उपधारा (2) के अनुसार प्रतिकर जमा करने वाला नियोजक उसके साथ प्ररूप-घ में एक कथन पेश करेगा और उसे प्ररूप-ड में एक रसीद दी जायेगी।

10. धन का निवेश.—आयुक्त के पा जमा धन मृत कर्मकार के आश्रितों के लाभ के लिये सरकारी प्रतिभूतियों अथवा डाकघर नकद प्रमाण-पत्र में जमा किया जा सकेगा, अथवा डाक बचत बैंक में जमा किया जा सकेगा।

भाग III

दुर्घटनाओं की रिपोर्ट

11. घातक दुर्घटनाओं की रिपोर्ट.—धारा 10-ख द्वारा अपेक्षित रिपोर्ट, इन नियमों के अधीन, यदि कोई हो, जो समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा बनाये जायें, प्ररूप-ड में होगी।

12. सूचना प्राप्त हो जाने पर ज्ञापन पेश करने का नियोजक का अधिकार.—(1) दुर्घटना की सूचना प्राप्त कर चुका कोई भी नियोजक किसी भी समय, यह तथ्य होते हुये कि ऐसी दुर्घटना के बारे में प्रतिकर का कोई दावा नहीं किया गया है, आयुक्त को ज्ञापन दे सकता है जो उसके द्वारा अथवा ज्ञापन में कथित तथ्यों की जानकारी रखने वाले उसके सहायक किसी व्यक्ति द्वारा दिये गये हलफनामे से समर्थित होगा और इस ज्ञापन में उस अन्वेषण अथवा जांच जो दुर्घटना की परिस्थितियों एवं कारणों के लिये की गयी थी, के परिणाम होंगे।

(2) उपनियम (1) के तहत पेश किये ज्ञापन को उस संदाय के अधीन जैसा विहित किया जाये या अनिवार्यता से द्वा अधिलिखित किया जायेगा।

भाग IV

चिकित्सकीय परीक्षा

13. नियमों के अनुसार के अलावा कर्मकार चिकित्सकीय परीक्षा के लिये पेश किये जाने के लिये अपेक्षित नहीं.—कर्मकार जो धारा 11 की उपधारा (1) के द्वारा चिकित्सकीय परीक्षा के लिये पेश होने को अपेक्षित है इस भाग में अन्तर्निहित नियमों के अनुसार ही ऐसा करने को बाध्य होगा और अन्यथा नहीं।

14. कर्मकार और चिकित्सकीय व्यवसायी दोनों के परिसर में होने पर परीक्षा.—जब ऐसा कर्मकार नियोजक के परिसर में उपस्थित हो, और नियोजक उसे अहित चिकित्सकीय व्यवसायी जो उपस्थित है से उसकी निःशुल्क चिकित्सकीय परीक्षा कराना चाहे तो कर्मकार तुरन्त परीक्षा के लिये पेश होगा।

15. अन्य मामलों में परीक्षा.—उन मामलों में जिनमें नियम 14 लागू नहीं होता है, नियोजक—

(क) उस स्थान पर चिकित्सा व्यवसायी को भेज सकेगा जहां कर्मकार उस समय रह रहा हो और इस स्थिति में कर्मकार चिकित्सा व्यवसायी द्वारा परीक्षा के लिये निवेदन किये जाने पर अपने को चिकित्सकीय परीक्षा के लिये पेश करेगा।

(ख) कर्मकार के पास चिकित्सा व्यवसायी द्वारा निःशुल्क चिकित्सकीय परीक्षा करवाने के लिये लिखित प्रस्ताव भेज सकेगा, जिस स्थिति में कर्मकार नियोजक के परिसर में अथवा उसके पड़ोस में ऐसे स्थान पर जैसा कि प्रस्ताव में विनिर्दिष्ट किया जाये और ऐसे समय पर जैसा विनिर्दिष्ट हो चिकित्सकीय परीक्षा के लिये पेश होगा :

परन्तु—

(i) इस प्रकार विनिर्दिष्ट समय कर्मकार को लिखित सहमति के सिवाय शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे के मध्य नहीं होगा, और

(ii) उन मामलों में जिनमें कर्मकार की दशा ऐसी हो जिसमें उसके स्थान जहां फिलहाल वह रह रहा हो, को छोड़ना असम्भव हो या बुद्धिमान न समझा जाये तो वह चिकित्सकीय परीक्षा के लिये पेश होने को इस स्थान के सिवाय अपेक्षित नहीं होगा।

16. Restriction on number of examinations.—A workman who is in receipt of a half-monthly payment shall not be required to submit himself for medical examination elsewhere than at the place where he is residing for the time being more than twice in the first month following the accident or more than once in any subsequent month.

17. Examination after suspension of right to compensation.—If a workman whose right to compensation has been suspended under sub-section (2) or sub-section (3) of Section 11, subsequently offers himself for medical examination, his examination shall take place on the employer's premises or at such other place in the vicinity as may be fixed by the employer, and at a time to be fixed by the employer not being, save with the express consent of the workman, more than seventy-two hours after the workman has so offered himself.

18. Examination of women.—(1) No woman shall without her consent be medically examined by a male practitioner, save in the presence of another woman.

(2) No woman shall be required to be medically examined by a male practitioner if she deposits a sum sufficient to cover the expenses of examination by a female practitioner.

PART V

PROCEDURE

19. Introductory.—Save as otherwise provided in these rules, the procedure to be followed by Commissioner in the disposal of cases under the Act or these rules and by the parties in such cases shall be regulated in accordance with the rules contained in this part.

20. Application.—(1) Any application of the nature referred to in Section 22 may be sent to the Commissioner by registered post or may be presented to him or to any of his subordinates authorised by him in this behalf and, if so sent or presented, shall, unless the Commissioner otherwise directs, be made in duplicate in the appropriate Form, if any, and shall be signed by the applicant.

(2) There shall be appended to every such application a certificate, which shall be signed by the applicant, to the effect that the statement of facts contained in the application is to the best of his knowledge and belief accurate.

21. Production of documents.—(1) When the application for relief is based upon a document, the document shall be appended to the application.

(2) Any other document which any party desires to tender in evidence shall be produced at or before the first hearing.

(3) Any document which is not produced at or within the time specified in sub-rule (1) or sub-rule (2), as the case may be, shall not, without the sanction of the Commissioner, be admissible in evidence on behalf of the party who should have produced it.

(4) Nothing in this rule applies to any document which is produced for the purpose of cross-examining a witness or is handed to a witness to refresh his memory.

22. Application presented to wrong Commissioner.—(1) If it appears to the Commissioner on receiving application that it should be presented to another Commissioner, he shall return it to the applicant after endorsing upon it the date of the presentation and return, the reason for returning it and designation of the Commissioner to whom it should be presented.

(2) If it appears to the Commissioner at any subsequent stage that an application should have been presented to another Commissioner, he shall send the application to the Commissioner empowered to deal with it and shall inform the applicant and the opposite party, if he has received a copy of the application under Rule 26, accordingly.

नियम 16—22]

16. परीक्षाओं की संख्या पर निबंधन.—यदि कर्मकार अर्द्धमासिक संदाय प्राप्त कर चुका है तो वह दुर्घटना के बाद प्रथम महीने में दो बार से अधिक अथवा बाद के किसी महीने में एक से अधिक बार उस स्थान पर जहाँ वह फिलहाल रह रहा है से भिन्न स्थान पर चिकित्सकीय परीक्षा के लिये पेश होने के लिये अपेक्षित नहीं होगा।

17. प्रतिकर के अधिकार के निलम्बन के बाद परीक्षा.—यदि कोई कर्मकार जिसका प्रतिकर का अधिकार धारा 11 की उपधारा (2) अथवा उपधारा (3) के तहत निलम्बित कर दिया गया है बाद में चिकित्सकीय परीक्षा के लिये पेश होता है तो उसकी चिकित्सकीय परीक्षा नियोजक के परिसर में या ऐसे स्थान पर जैसा नियोजक द्वारा निश्चित किया जाये और कर्मकार को अभिव्यक्त सहमति के सिवाय ऐसे समय पर जो नियोजक द्वारा निश्चित किया जाये पर कर्मकार द्वारा अपने को पेश करने की पेशकश के बाद बहतर घण्टों से अधिक नहीं हो।

18. महिलाओं का परीक्षण.—(1) किसी भी महिला को उसकी सहमति के बगैर अन्य महिला को उपस्थित के सिवाय पुरुष व्यवसायी द्वारा चिकित्सकीय परीक्षा नहीं की जायेगी।

(2) किसी भी महिला को पुरुष व्यवसायी द्वारा चिकित्सकीय परीक्षा के लिये अपेक्षित नहीं किया जायेगा यदि वह इतनी राशि जमा कर देती है जो किसी महिला व्यवसायी द्वारा परीक्षा के खर्चों के लिये पर्याप्त हो।

भाग V

प्रक्रिया

19. परिचय.—जैसा इन नियमों में अन्यथा उपबन्धित है, के सिवाय, अधिनियम अथवा नियमों के तहत मामलों का निस्तारण करने के लिये आयुक्त द्वारा और ऐसे मामलों में पक्षकारों द्वारा अपनाये जाने वाली प्रक्रिया इस भाग में निहित नियमों के अनुसार अधिनियमित की जायेगी।

20. आवेदन.—(1) धारा 22 में निर्दिष्ट प्रकृति का कोई आवेदन आयुक्त के पास पंजीकृत डाक द्वारा भेजा जा सकता है अथवा उसके पास पेश किया जा सकता है अथवा इस सम्बन्ध में उसके द्वारा प्राधिकृत किसी भी व्यक्ति को दिया जा सकता है और इस प्रकार भेजा गया था या पेश किया गया आवेदन यदि आयुक्त अन्यथा निर्देशित नहीं करता उपयुक्त प्ररूप में दो प्रतियों में बनाया जायेगा, यदि प्ररूप कोई हो तो, और आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा।

(2) प्रत्येक आवेदन के साथ आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित इस बाबत एक प्रमाण-पत्र होगा कि आवेदन में विहित तथ्यों का कथन उसके सर्वोत्तम ज्ञान व विश्वास में सही है।

21. दस्तावेज का पेश किया जाना.—(1) जब राहत के लिये आवेदन दस्तावेज पर आधारित हो तो दस्तावेज आवेदन के साथ नथी किया जायेगा।

(2) कोई अन्य दस्तावेज जो कोई पक्षकार साक्ष्य के रूप में पेश करना चाहे पहली सुनवाई के दौरान अथवा पहले पेश किया जायेगा।

(3) कोई भी दस्तावेज जिसे उपनियम (1) अथवा उपनियम (2), जैसी भी स्थिति हों, में विनिर्दिष्ट समय पर या समय में पेश नहीं किया जाता है तो वो आयुक्त की स्वीकृति के बिना पक्षकार के साक्ष्य में स्वीकार्य नहीं होगा जिसे यह पेश करना चाहिये था।

(4) इस नियम में कुछ भी किसी दस्तावेज पर लागू नहीं होता जो गवाह को प्रतिपरीक्षा के उद्देश्य से पेश किया गया हो या गवाह को उसकी याददाश्त ताजा करने के लिये दे दिया गया हो।

22. गलत आयुक्त को पेश आवेदन.—(1) आवेदन प्राप्त करके यदि आयुक्त को यह लगता है कि वह किसी और आयुक्त को पेश किया जाना चाहिये था तो वह उस पर पेश होने एवं वापस करने की तारीख, वापस करने का कारण और उस आयुक्त का नाम जिसको यह भेजा जाना चाहिये पृष्ठांकित कर आवेदक के पास वापस भेजेगा।

(2) यदि बाद में किसी प्रक्रम पर आयुक्त को यह महसूस हो कि आवेदन किसी अन्य आयुक्त को भेजा जाना चाहिये था तो वह उस आयुक्त को यह आवेदन भेज देगा जो इसकी सुनवाई करने के लिये शक्ति प्रदत्त है और आवेदक को (और विरोधी पक्ष को, यदि उसने नियम 26 के तहत आवेदन की एक प्रति प्राप्त कर ली है), तदनुसार सूचित करेगा।

(3) The Commissioner to whom an application is transferred under sub-rule (2) may continue the proceedings as if the previous proceedings or any part of them had been taken before him, if he is satisfied that the interest of the parties will not thereby be prejudiced.

23. Examination of applicant.—(1) On receiving application of the nature referred to in Section 22, the Commissioner may examine the application on oath, or may send the application to any officer authorised by the State Government in this behalf and direct such officer to examine the applicant and his witnesses and forward the record thereof to the Commissioner.

(2) The substance of any examination made under sub-rule (1), shall be recorded in the manner provided for the recording of evidence in Section 25.

24. Summary dismissal of application.—(1) The Commissioner may, after considering the application and the result of any examination of the applicant under Rule 23, summarily dismiss the application, if, for reasons to be recorded, he is of opinion that there are no sufficient grounds for proceeding thereon.

(2) The dismissal of the application under sub-rule (1) shall not of itself preclude the applicant from presenting a fresh application for the settlement of the same matter.

25. Preliminary inquiry into application.—If the application is not dismissed under Rule 24, the Commissioner may, for reasons to be recorded, call upon the applicant to produce evidence in support of the application before calling upon any other party, and, if upon considering such evidence the Commissioner is of opinion that there is no case for the relief claimed, he may dismiss the application with a brief statement of his reasons for so doing.

26. Notice to opposite party.—If the Commissioner does not dismiss the application under Rule 24 or Rule 25, he shall send to the party from whom the applicant claims relief (hereinafter referred to as the opposite-party) a copy of the application, together with a notice of the date on which he will dispose of the application, and may call upon the parties to produce upon that date any evidence which they may wish to tender.

27. Appearance and examination of opposite party.—(1) The opposite party may, and if so required by the Commissioner, shall, at or before the first hearing or within such time as the Commissioner may permit, file a written statement dealing with the claim raised in the application, and any such written statement shall form a part of the record.

(2) If the opposite party contests the claim, the Commissioner may, and, if no written statement has been filed, shall proceed to examine him upon the claim and shall reduce the result of examination to writing.

28. Framing of issues.—(1) After considering any written statement and the result of any examination of the parties, the Commissioner shall ascertain on what material proposition of fact or of law the parties are at variance and shall there-upon proceed to frame and record the issues upon which the right decision of the case appears to him to depend.

(2) In recording the issues, the Commissioner shall distinguish between those issues which in his opinion concern points of facts and those which concern points of law.

29. Power to postpone trial of issues of facts where issues of law arise.—When issues both of law and of fact arise in the same case, and the Commissioner is of opinion that the case may be disposed of on the issues of law only, he may try those issues first, and for that purpose may, if he thinks fit, postpone the settlement of the issues of fact until after the issues of law have been determined.

(3) वह आयुक्त जिसको उपनियम (2) के तहत आवेदन अनुरित किया गया है कार्यवाही उसी प्रकार जारी रखेगा मानो पूर्व की कार्यवाहियाँ अथवा उनमें से कोई कार्यवाही उसके समक्ष की गयी हो यदि वह सन्तुष्ट हो जाता है कि पक्षकारों के हित पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं होगा।

23. आवेदक की परीक्षा.—(1) धारा 22 में उल्लिखित प्रकृति का आवेदन प्राप्त करने के बाद आयुक्त आवेदक की सशपथ परीक्षा ले सकता है, अथवा आवेदन को इस सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अफसर के पास भेज सकता है और ऐसे अफसर को आवेदक की व उसके गवाहों की परीक्षा लेने का निर्देश दे सकता है और अभिलेख को आयुक्त के पास भेजने का निर्देश दे सकता है।

(2) उपनियम (1) के तहत की गयी किसी परीक्षा का सार उसी तरीके से अभिलिखित किया जायेगा जैसा धारा 25 में साक्ष्य को अभिलिखित करने के लिये उपबन्ध किया गया है।

24. आवेदन का संक्षिप्त रूप में खारिज होना.—(1) आयुक्त आवेदन पर व नियम 23 के तहत आवेदक की किसी परीक्षा के परिणाम पर विचार करने के बाद आवेदन को, यदि वह उन कारणों की वजह से जो अभिलिखित किये जायें इस विचार पर पहुँचता है कि उस पर कार्यवाही आगे करने के कोई पर्याप्त आधार नहीं है संक्षिप्त रूप में खारिज कर सकता है।

(2) उपनियम (1) के तहत आवेदन की खारिजी को उसी मामले के निपटारे के लिये नया आवेदन पेश करने से नहीं रोकेगा।

25. आवेदन में प्रारम्भिक जाँच.—यदि नियम 24 के तहत किसी आवेदन को खारिज नहीं किया गया हो तो आयुक्त उन कारणों की वजह से जो अभिलिखित किये जायेंगे किसी अन्य पक्षकार को बुलाने से पहले आवेदक को आवेदन के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिये बुला सकता है, और ऐसे साक्ष्य पर विचार करने के बाद यदि आयुक्त की राय बनती है कि दावा की गयी राहत के लिये मामला नहीं बनता तो वह आवेदन को खारिज कर सकता है जिसमें वह इसके कारणों का संक्षिप्त कथन करेगा।

26. विरोधी पक्षकार को नोटिस.—यदि नियम 24 या नियम 25 के तहत आवेदन खारिज नहीं किया जाता तो आयुक्त की एक प्रति उस तारीख के नोटिस सहित जिस तारीख को वह आवेदन को निस्तारण करेगा उस पक्षकार (यह इसके बाद विरोधी पक्षकार के रूप में उल्लिखित है) के पास भेजेगा जिससे आवेदक राहत का दावा कर रहा है और पक्षकारों को उस तारीख पर किसी साक्ष्य को पेश करने के लिये कहेगा जो वे पेश करना चाहें।

27. विरोधी पक्षकार की पेशी एवं परीक्षा.—(1) विरोधी पक्षकार प्रथम सुनवाई के पहले या उस समय में जैसी आयुक्त अनुमति दे आवेदन में किये गये दावे से सम्बन्धित लिखित कथन दायर कर सकता है, और यदि आयुक्त द्वारा ऐसा अपेक्षित हो, तो लिखित कथन दायर करेगा और ऐसा कोई भी लिखित कथन अभिलेख का हिस्सा होगा।

(2) यदि विरोधी पक्षकार दावे का विरोध करता है तो आयुक्त दावे पर उसकी परीक्षा लेने के लिये कार्यवाही कर सकता है, और यदि कोई लिखित कथन प्रस्तुत नहीं किया गया है, तो कार्यवाही करेगा और परीक्षा के परिणाम को लिखेगा।

28. विवादकों की विरचना.—(1) किसी लिखित कथन और पक्षकारों को किसी परीक्षा के परिणाम पर विचार करने के बाद आयुक्त यह सुनिश्चित करेगा कि तथ्य अथवा विधि के किस प्रतिपादन पर पक्षकारों में मतभेद है और तदुपरांत उन विवादकों को विरचित एवं अभिलिखित करेगा जिस पर मामले का सही निर्णय निर्भर करता है।

(2) विवादकों को अभिलिखित करने में आयुक्त उन विवादकों जो उसकी राय में तथ्यों से सम्बन्धित हैं और उन विवादकों जो विधि बिन्दुओं से सम्बन्धित हैं में फर्क करेगा।

29. विवादकों के विचारण के स्थान की शक्ति जहाँ विधि विवादक पैदा होते हैं.—जहाँ एक ही मामले में तथ्य के विवादक एवं विधि के विवादक पैदा हो और आयुक्त को यह राय हो कि मामले का निस्तारण केवल विधि के विवादकों के आधार पर हो सकता है तो वह उन विवादकों का पहले विचारण करेगा और उस उद्देश्य के लिये, अगर वह उचित समझे, तथ्य के विवादकों को तब तक स्थगित रख सकता है जब तक कि विधि के विवादकों का निर्धारण नहीं हो जाता।

30. Diary.—The Commissioner shall maintain under his hand a brief diary of the proceedings on an application.

31. Reasons for postponement to be recorded.—If the Commissioner finds it impossible to dispose of an application at one hearing, he shall record the reasons which necessitate a postponement.

32. Judgment.—(1) The Commissioner, in passing orders, shall record concisely a judgment, his finding on each of the issues framed and his reasons for such finding.

(2) The Commissioner, at the time of signing and dating his judgment, shall pronounce his decision, and thereafter no addition or alteration shall be made to the judgment other than the correction of a clerical or arithmetical mistake arising from any accidental slip or omission.

33. Summoning of witnesses.—If an application is presented by any party to the proceedings for the citation of witnesses, the Commissioner shall, on payment of the prescribed expenses, and fees, issue summons for the appearance of such witnesses, unless he considers that their appearance is not necessary for the just decision of the case.

34. Exemption from payment of costs.—If the Commissioner is satisfied that the applicant is unable, by reason of poverty, to pay the prescribed fees, he may remit any or all of such fees. If the case is decided in favour of the applicant, the prescribed fees which, had they not been remitted, would have been due to be paid, may be added to the costs of the case and recovered in such manner as the Commissioner in his order regarding costs may direct.

35. Right of entry for local inspection.—A Commissioner before whom any proceeding relating to an injury by accident is pending may at any time enter the place where the workman was injured, or where the workman ordinarily performed his work, for the purpose of making a local inspection or of examining any person likely to be able to give information relevant to the proceedings:

Provided that the Commissioner shall not enter any premises of any industrial establishment, except during the ordinary working hours of that establishment, save with the permission of the employer or of some person directly responsible to him for the management of the establishment.

36. Procedure in connection with local inspection.—(1) If the Commissioner proposes to conduct a local inspection with a view to examining on the spot the circumstances in which an accident took place, he shall give the parties or their representatives notice of his intention to conduct such inspection, unless in his opinion the urgency of the case renders the giving of such notice impracticable.

(2) Such notice may be given orally or in writing, and in the case of an employer, may be given to any person upon whom notice of a claim can be served under sub-section (2) of Section 10, or the representative of any such person.

(3) Any party, or the representative of any party, may accompany the Commissioner at a local inspection.

(4) The Commissioner, after making a local inspection, shall note briefly in a memorandum any facts observed, and shall show the memorandum to any party who desires to see the same, and, on payment of the prescribed fee, shall supply any party with a copy thereof.

(5) The memorandum shall form part of the record.

37. Power of summary examination.—(1) The Commissioner during a local inspection or at any other time, save at a formal hearing of a case pending before him, may examine summarily any person likely to be able to give

30. डायरी.—आयुक्त आवेदन पर की गयी कार्यवाहियों की एक डायरी रखेगा जो खुद लिखेगा।

31. स्थान के कारण अभिलिखित होंगे.—यदि आयुक्त किसी आवेदन का निस्तारण एक ही सुनवाई में पूर्ण करना सम्भव नहीं पाता तो वह उन कारणों को अभिलिखित करेगा जो स्थान को आवश्यक कर रहे हैं।

32. निर्णय.—(1) आदेश पारित करने में आयुक्त संक्षिप्त रूप से निर्णय और विरचित विवादकों के प्रत्येक विवादक को अपने निष्कर्ष को एवं अपने निष्कर्ष के कारणों को अभिलिखित करेगा।

(2) हस्ताक्षर करते समय एवं निर्णय पर तारीख डालते समय आयुक्त अपने निर्णय को सुनायेगा, और उसके बाद किसी आकस्मिक भूल अथवा लोप से उत्पन्न क्लेरिकल अथवा गणितीय गलती को सुधारने से भिन्न निर्णय में कुछ भी जोड़ा या परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

33. गवाहों को बुलाना.—यदि कार्यवाही के किसी पक्षकार द्वारा गवाहों को बुलाने के लिये आवेदन करता है तो आयुक्त विहित खर्चों एवं फीस अदा होने पर ऐसे गवाहों को बुलाने के लिये सम्मन जारी करेगा यदि वह यह विचार नहीं करे कि उनकी उपस्थिति मामले के सही निर्णय के लिये आवश्यक नहीं है।

34. खर्चों के संदाय से छूट.—यदि आयुक्त सन्तुष्ट हो जाता है कि गरीबी के कारण आवेदक विहित फीस अदा करने में असमर्थ है तो वह किसी फीस अथवा सभी फीसों से छूटकारा दे सकता है। यदि मामले का निर्णय आवेदक के पक्ष में हो जाता है तो विहित फीस को जिसे माफ नहीं किया गया होता तो अदा करने के लिये देय होती, मामले के खर्चों में जोड़ा जा सकता है और उस तरीके से वसूला जा सकता है जैसा आयुक्त खर्च सम्बन्धी अपने आदेश में निर्दिष्ट करे।

35. स्थानीय निरीक्षण के लिये प्रवेश करने का अधिकार.—आयुक्त जिसके समक्ष दुर्घटना द्वारा हुयी क्षति से सम्बन्धित कोई कार्यवाही लम्बित हो, स्थानीय निरीक्षण करने के लिये अथवा कार्यवाहियों से सम्बन्धित सूचना देने वाले किसी व्यक्ति को परीक्षा करने के लिये उस स्थान में कभी भी प्रवेश कर सकता है जहाँ कर्मकार दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, अथवा जहाँ साधारण तौर पर कर्मकार कार्य करता था :

परन्तु आयुक्त नियोजक अथवा स्थापन के प्रबन्धन के लिये उसके प्रति उत्तरदायी किसी व्यक्ति को अनुमति के सिवाय उस स्थान के सामान्य कार्य समय के दौरान को छोड़कर किसी औद्योगिक स्थापन के परिसर में प्रवेश नहीं करेगा।

36. स्थानीय निरीक्षण के सम्बन्ध में प्रक्रिया.—(1) यदि आयुक्त उन परिस्थितियों को जिनमें दुर्घटना घटी थी घटनास्थल पर जांच करने की दृष्टि से स्थानीय निरीक्षण करने के लिये प्रस्ताव रखे तो वह ऐसा निरीक्षण करने के अपने आशय का नोटिस पक्षकारों या उनके प्रतिनिधियों को देगा, यदि उसको राय में मामले की आवश्यकता इस प्रकार के नोटिस को असाध्य न बना दे।

(2) इस प्रकार नोटिस मौखिक या लिखित दिया जा सकता है, और नियोजक के मामले में, उस किसी भी व्यक्ति को दिया जा सकता है जिस पर धारा 10 की उपधारा (2) के तहत दावे का नोटिस तामील किया जा सकता है, अथवा उसे ऐसे व्यक्ति के किसी प्रतिनिधि को दिया जा सकता है।

(3) स्थानीय निरीक्षण में कोई भी पक्षकार, अथवा किसी पक्षकार का प्रतिनिधि आयुक्त के साथ जा सकता है।

(4) स्थानीय निरीक्षण करने के बाद आयुक्त जापन में संक्षिप्त रूप से नजर में आये तथ्यों को लिखेगा और उस किसी पक्षकार को दिखायेगा जो देखना चाहे, और विहित को देने के बाद, उसको प्रति किसी भी पक्षकार को देगा।

(5) जापन अभिलेखन का हिस्सा होगा।

37. संक्षिप्त परीक्षा की शक्ति.—(1) आयुक्त उसके समक्ष लम्बित किसी मामले की औपचारिक सुनवाई के समय के सिवाय स्थानीय निरीक्षण के दौरान अथवा किसी भी समय किसी भी व्यक्ति का संक्षिप्त परीक्षण कर सकता है जो ऐसे मामले से सम्बन्धित सूचना देने में समर्थ मालूम पड़ता हो, चाहे ऐसा व्यक्ति

information relating to such case, whether such person has been or is to be called as a witness in the case or not, and whether any or all of the parties are present or not.

(2) No oath shall be administered to a person examined under sub-rule (1).

(3) Statements made by persons examined under sub-rule (1), if reduced to writing, shall not be signed by the person making the statement, nor shall they, except as hereinafter provided, be incorporated in the record or utilised by the Commissioner for the purpose of arriving at a decision in the case.

(4) If a witness who has been examined under sub-rule (1) makes in evidence any material statement contradicting any statement made by him in such examination and reduced to writing, the Commissioner may call his attention to such statement, and shall in that case direct that the parties be furnished with the relevant part of such statement for the purpose of examining or cross-examining the witness.

(5) Any statement on part of a statement which is furnished to the parties under sub-rule (4) shall be incorporated in the record.

(6) Where a case is settled by agreement between the parties, the Commissioner may incorporate in the record any statement made under sub-rule (1) and may utilise such statement for the purpose of justifying his acceptance of, or refusal to accept, the agreement reached.

38. Agreement to abide by Commissioner's decision.—(1) If a party states in writing his willingness to abide by the decision of the Commissioner, the Commissioner shall inquire whether the other party is willing to abide by his decision.

(2) If the other party agrees to abide by the Commissioner's decision, the fact of his agreement shall be recorded in writing and signed him.

(3) If the other party does not agree to abide by the Commissioner's decision, the first party shall not remain under an obligation so to abide.

39. Procedure where indemnity claimed under Section 12 (2).—(1) Where the opposite party claims that if compensation is received against him he will be entitled under sub-section (2) of Section 12 to be indemnified by a person not being a party to the case, he shall, when first called upon to answer the application, present a notice of such claim to the Commissioner accompanied by the prescribed fee, and the Commissioner shall thereupon issue notice to such person in Form JJ.

(2) If any person served with a notice under sub-section (1) desires to contest the applicant's claim for compensation or the opposite party's claim to be indemnified, he shall appear before the Commissioner on the date fixed for the hearing of the case or on any date to which the case may be adjourned and, if he so appears, shall have all the rights of a party to the proceedings; in default of so appearing he shall be deemed to admit the validity of any award made against the opposite party and to admit his own liability to indemnify the opposite party for any compensation recovered from him:

Provided that, if any person so served appears subsequently and satisfies the Commissioner that he was prevented by any sufficient cause from appearing, the Commissioner shall, after giving notice to the aforesaid opposite party, hear such person, and may set aside or vary any award made against such person under this rules and upon such terms as may be just.

(3) If any person served with notice under sub-rule (1), whether or not he desires to contest the applicant's claim for compensation or the opposite party's claim to be indemnified, claims that being a contractor he is himself a principal and is entitled to be indemnified by a person standing to him in the relation to a contractor from whom the workman could have recovered compensation, he shall on or before the date fixed in the notice under sub-rule (1) present a

मामले में गवाह के रूप में पुकारा गया अथवा जो या नहीं और चाहे कोई पक्षकार या सभी पक्षकार उपस्थित हो या न हो।

(2) उपनियम (1) के तहत परीक्षा लिये जाने वाले व्यक्ति को सशपथ नहीं दिलायी जायेगी।

(3) उपनियम (1) के तहत परीक्षा लिये गये व्यक्तियों द्वारा किये गये कथन, यदि लिखे गये हों, कथन करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित नहीं होंगे न ही यहाँ इसके बाद जैसा दिया गया है के सिवाय उनको अभिलेखन में रखा जायेगा अथवा मामले में निर्णय पर पहुंचने के उद्देश्य के लिये प्रयोग किया जायेगा।

(4) यदि कोई गवाह जिसको उपनियम (1) के तहत परीक्षा ली गयी है साक्ष्य में कोई मातृवाक्य कथन करता है जो ऐसी परीक्षा में उसके द्वारा किये गये और लिखे गये कथन से विरोधात्मक हो तो आयुक्त उसका ध्यान ऐसे कथन की ओर दिला सकता है और उस स्थिति में निर्देश दे सकता है कि गवाह को परीक्षा अथवा प्रतिपरीक्षा लेने के उद्देश्य से ऐसे कथन के सुसंगत भाग पक्षकारों को दे दिया जाये।

(5) कोई कथन अथवा कथन का हिस्सा जो उपनियम (4) के तहत पक्षकारों को दिया गया है अभिलेखन में सम्मिलित किया जायेगा।

(6) जहाँ कोई मामला पक्षकारों के मध्य करार द्वारा निपटा लिया गया हो तो आयुक्त उपनियम (1) के तहत किये गये किसी भी कथन को अभिलेखन में सम्मिलित कर सकता है और किये गये करार को स्वीकार करने, अथवा स्वीकार करने से इन्कार करने, को न्यायोचित ठहराने के उद्देश्य से ऐसे कथन का प्रयोग कर सकता है।

38. आयुक्त के निर्णय को मानने का करार.—(1) यदि कोई पक्षकार आयुक्त के निर्णय को मानने के लिये अपनी इच्छा लिखित रूप में व्यक्त करता है तो आयुक्त इसकी जांच करेगा कि क्या पक्षकार निर्णय मानने का इच्छुक है।

(2) यदि अन्य पक्षकार आयुक्त के निर्णय को मानने के लिये सहमत होता है तो उसके करार का तथ्य लिखित अभिलेखित किया जाएगा और उसके द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

(3) यदि अन्य पक्षकार आयुक्त के निर्णय को मानने के लिए सहमत नहीं होता है तो प्रथम पक्षकार निर्णय मानने के लिये बाध्य नहीं रहेगा।

39. प्रक्रिया जहाँ धारा 12 (2) के तहत क्षतिपूर्ति का दावा किया गया हो.—(1) जहाँ विरोधी पक्ष यह दावा करता है कि यदि प्रतिकर उसके विरुद्ध वसूला गया तो वह धारा 12 उपधारा (2) के तहत ऐसे व्यक्ति द्वारा क्षतिपूर्ति का हकदार होगा जो मामले का पक्षकार नहीं है तो आवेदन का प्रथम बार उत्तर देने के लिये बुलाये जाने पर वह मय विहित फीस के ऐसा नोटिस आयुक्त को पेश करेगा और आयुक्त इस पर प्ररूप-ब में इस व्यक्ति को नोटिस जारी करेगा।

(2) यदि कोई व्यक्ति जिसे उपधारा (1) के तहत नोटिस तामील कराया गया है आवेदक के प्रतिकर के दावे का विरोध करने की इच्छा करता है अथवा विरोधी पक्ष के दावे को क्षतिपूर्ति किये जाने की इच्छा व्यक्त करता है तो वह मामले की सुनवाई के लिये तय तारीख पर या किसी उस तारीख पर जब तक के लिये मामले को स्थगित किया गया है आयुक्त के समक्ष पेश होगा और यदि इस प्रकार वह पेश होता है, तो कार्यवाही के पक्षकार के सभी अधिकार उसे प्राप्त होंगे, पेश होने का व्यतिक्रम करने पर यह माना जायेगा कि विरोधी पक्ष के विरुद्ध दिया गया कोई अधिनियम उसे स्वीकार है और उससे वसूले गये किसी प्रतिकर के लिये विरोधी पक्ष को क्षतिपूर्ति करने का उसका स्वयं का दायित्व स्वीकार है :

परन्तु इस प्रकार नोटिस तामील किया गया व्यक्ति वाद में पेश होकर आयुक्त को सन्तुष्ट कर देता है कि उसके पेश न हो पाने का पर्याप्त कारण था तो उपर्युक्त पक्षकार को नोटिस देने के बाद आयुक्त ऐसे व्यक्ति को सुनेगा और इन नियमों के तहत दिये गये किसी अधिनियम को अपास्त कर सकता है अथवा परिवर्तित कर सकता है और ऐसे निबन्धनों पर जैसा न्यायसंगत हो।

(3) यदि कोई व्यक्ति, जिसे उपनियम (1) के तहत नोटिस तामील कराया गया है, चाहे वह आवेदक का प्रतिकर के दावे का अथवा विरोधी पक्ष को क्षतिपूर्ति किये जाने के दावे का विरोध करने की इच्छा करे या न करे, दावा करता है, कि ठेकेदार होने के नाते वह स्वयं मालिक है और उस व्यक्ति द्वारा क्षतिपूर्ति किये जाने का हकदार है जो उस ठेकेदार जिससे कर्मकार प्रतिकर वसूलता के सम्बन्ध में उसके विरोध में है तो वह

notice of such claim to the Commissioner accompanied by the prescribed fee and the Commissioner shall thereupon issue notice to such person in Form JJ.

(4) If any person served with a notice under sub-rule (3) desires to contest the applicant's claim for compensation, or the claim under sub-rule (3) to be indemnified, he shall appear before the Commissioner on the date fixed in the notice in Form JJ or on any date to which the case may be adjourned and, if he so appears, shall have all the rights of a party to the proceedings in default of so appearing he shall be deemed to admit the validity of any award made against the original opposite party or the person served with a notice under sub-rule (1) and to admit his own liability to indemnify the party against whom such award is made for any compensation recovered from him:

Provided that, if any person so served appears subsequently and satisfies the Commissioner that he was prevented by any sufficient cause from appearing, the Commissioner shall, after giving notice to all parties on the record, hear such person, and may set aside or vary any award made against such person under this rule upon such terms as may be just.

(5) In any proceeding in which a notice has been served on any person under sub-rule (1) or sub-rule (3) the Commissioner shall, if he award compensation, record in his judgment a finding in respect of each of such persons whether he is or is not liable to indemnify any of the opposite parties, and shall specify the party, if any, whom he is liable to indemnify.

40. Procedure in connected cases.—(1) Where two or more cases pending before a Commissioner arise out of the same accident, and any issue involved is common to two or more such cases, such cases may, so far as the evidence bearing on such issue is concerned, be heard simultaneously.

(2) Where action is taken under sub-rule (1) the evidence bearing on the common issue or issues shall be recorded on the record of one case, and the Commissioner shall certify under his hand on the record of any such other case, the extent to which the evidence so recorded applies to such other case, and the fact that the parties to such other case had the opportunity of being present, and if they were present, of cross-examining the witnesses.

41. Certain provisions of Code of Civil Procedure, 1908 to apply.—Save as otherwise expressly provided in the Act or these Rules the following provisions of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908, namely, those contained in Order V, Rule 9 to 13 and 15 to 30 : Order IX; Order XIII, Rules 3 to 10; Order XVI, Rules 2 to 21; Order XVII; and Order XXIII, Rules 1 and 2, shall apply to proceeding before Commissioners, in so far as they may be applicable thereto:

Provided that—

(a) for the purpose of facilitating the application of the said provisions the Commissioner may construe them with such alterations not affecting the substance as may be necessary or proper to adapt them to the matter before him;

(b) the Commissioner may, for sufficient reasons, proceed otherwise than in accordance with the said provisions, if he is satisfied that the interests of the parties will not thereby be prejudiced.

42. Provision regarding signature of forms.—Any form, other than a receipt for compensation, which is by these rules required to be signed by a Commissioner may be signed under his direction and on his behalf by any officer subordinate to him appointed by him in writing for this purpose.

43. Apportionment of compensation among dependents.—The provisions of this part, except those contained in Rules 26, 27 and 39 shall, as far as may be, apply in the case of any proceedings relating to the apportionment of compensation among the dependents of a deceased workman.

उपनियम (1) के तहत दिये गये नोटिस में तय तारीख पर या पहले विहित के साथ आयुक्त को ऐसे दावे का एक नोटिस देगा और आयुक्त पर प्ररूप-बज में ऐसे व्यक्ति को नोटिस जारी करेगा।

(4) यदि कोई व्यक्ति जिसे उपनियम (3) के तहत नोटिस तामील किया गया है आवेदक के प्रतिकर के दावे का विरोध करने की अथवा उपनियम (3) के तहत क्षतिपूर्ति किये जाने की इच्छा प्रकट करता है तो वह प्ररूप-बज में तय की गयी तारीख पर या उस तारीख पर जिस तारीख तक के लिये मामला स्थगित किया गया है आयुक्त के समक्ष पेश होगा, और यदि वह इस प्रकार पेश हो जाता है तो उसे कार्यवाही के पक्षकार के सभी अधिकार प्राप्त होंगे और इस प्रकार पेश होने के व्यतिक्रम में यह माना जायेगा कि मूल पक्षकार के विरुद्ध अथवा उस व्यक्ति के विरुद्ध जिसे उपनियम (1) के तहत नोटिस तामील कराया गया है दिये गये अधिनियम को स्वीकार करता है और उस पक्षकार की क्षतिपूर्ति करने का स्वयं का दायित्व स्वीकार करता है जिसके विरुद्ध उससे वसूल जाने वाले किसी प्रतिकर के लिये अधिनियम दिया गया है :

परन्तु यदि कोई व्यक्ति जिसे इस प्रकार नोटिस तामील करा दिया गया है वाद में पेश होकर आयुक्त को समुष्ट कर देता है कि उसे पेश होने से पर्याप्त कारण न रोका था तो अभिलेख पर दिये गये सभी पक्षकारों को नोटिस देने के बाद, आयुक्त ऐसे व्यक्ति को सुनेगा और ऐसे निबन्धनों पर जो न्यायोचित हो इस नियम के तहत ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिये गये किसी अधिनियम को अपास्त या परिवर्तित कर सकता है।

(5) उस किसी प्रक्रिया में जिसमें उपनियम (1) अथवा उपनियम (3) के तहत किसी व्यक्ति को नोटिस तामील करा दिया गया है तो आयुक्त, अगर वह प्रतिकर का अधिनियम देता है, प्रत्येक व्यक्ति के सम्बन्ध में निष्कर्ष को अपने निर्णय में अभिलेखित करेगा चाहे वह व्यक्ति किसी विरोधी पक्ष क्षतिपूर्ति करने का दायी हो या नहीं और पक्षकार को यदि हो, विनिर्दिष्ट करेगा जिसका क्षतिपूर्ति करने का वह दावा है।

40. संसक्त मामलों में प्रक्रिया.—(1) जहाँ एक ही दुर्घटना से उत्पन्न दो या दो से अधिक मामले आयुक्त के समक्ष लम्बित हों और अन्तर्गत कोई भी विवादिक दो या अधिक ऐसे मामलों में समान हो, जहाँ तक ऐसे विवादिक में साक्ष्य का सम्बन्ध है, ऐसे मामलों की सुनवाई साथ-साथ की जा सकती है।

(2) जहाँ उपनियम (1) के तहत कार्यवाही की जाती है तो उस समान विवादिक या विवादिकों के साक्ष्य का अभिलेखन एक मामले में ही किया जायेगा और आयुक्त ऐसे किसी अन्य मामले के अभिलेख पर अपने हस्ताक्षर करके उसे प्रमाणित करेगा, उस विस्तार तक कि इस प्रकार अभिलेखित किया गया साक्ष्य ऐसे अन्य मामले में हों, और यह तथ्य कि ऐसे अन्य मामले के पक्षकारों को पेश होने का अवसर मिला हो, और यदि वे उपस्थित हों, तो गवाहों की प्रतिपरीक्षा का अवसर मिला हो।

41. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के कुछ उपबन्धों का लागू होना.—अधिनियम या इन नियमों में अन्यथा उपबन्धित होने के सिवाय सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की प्रथम अनुसूची के निम्नलिखित उपबन्ध यथा वे उपबन्ध जो आदेश V, नियम 9 से 13 और 15 से 30, आदेश IX, आदेश XIII, नियम 3 से 10, आदेश XVI, नियम 2 से 21, आदेश XVII, और आदेश XXIII, नियम 1 एवं 2 में निहित हैं आयुक्त के समक्ष कार्यवाही में लागू होंगे, जहाँ तक वे उन पर लागू हों :

परन्तु, (क) उक्त उपबन्धों के लागू होने को सुकर बनाने के उद्देश्य के लिये आयुक्त के उपबन्धों का कुछ ऐसे परिवर्तनों के साथ अर्थ लगा सकता है जो इनके सार को प्रभावित किये बिना उसके समक्ष मामले के प्रति अनुकूल बनाने के लिये आवश्यक या उचित हो;

(ख) पर्याप्त कारणों की वजह से, आयुक्त उक्त उपबन्धों के अनुसार से भिन्न कार्यवाही कर सकता है यदि वह समुष्ट हो जाता है पक्षकारों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

42. प्ररूपों पर हस्ताक्षर के सम्बन्ध में उपबन्ध.—प्रतिकर को रसौद से भिन्न कोई अन्य प्ररूप जो इन नियमों के तहत आयुक्त द्वारा हस्ताक्षरित होना अपेक्षित है उसके निर्देशानुसार एवं उसको ओर से इस उद्देश्य के लिये लिखित रूप में उसके द्वारा नियुक्त उसके अधीनस्थ अफसर द्वारा हस्ताक्षरित किया जा सकता है।

43. आश्रितों में प्रतिकर नियम करना.—नियम 26, 27 एवं 39 में निहित उपबन्धों के सिवाय, इस भाग के उपबन्ध, जहाँ तक हो सके, मृत कर्मकार के आश्रितों में प्रतिकर के बंटवारे से सम्बन्धित किसी कार्यवाहियों के मामले में लागू होंगे।

PART VI

TRANSFER

44. Transfer for report.—(1) A Commissioner transferring any matter to another Commissioner for report in accordance with sub-section (2) of Section 21 shall, along with the documents referred to in that sub-section, transmit to such other Commissioner a concise statement, in the form of questions for answer of the matter on which report is required.

(2) A Commissioner to whom a case is so transferred for report shall not be required to report on any question of law.

45. Transmission of money.—Money transmitted by one Commissioner to another in accordance with sub-section (2) of Section 21 shall be transmitted either by remittance transfer receipt, or by money order or by messenger, as the Commissioner transmitting the money may direct.

PART VII

APPOINTMENT OF REPRESENTATIVES

46. When representatives must be appointed.—Where any party to an proceeding is under the age of 15 years or is unable to make an appearance, the Commissioner shall appoint some suitable person, who consents to the appointment, to represent such party for the purposes of the proceeding.

47. When new representative to be appointed.—If the Commissioner considers that the interests of any party for whom a representative has been appointed under Rule 46 are not being adequately protected by that representative or if a person appointed to act as representative dies or becomes incapable of acting, or otherwise ceases to act as such, the Commissioner shall appoint in his place another person who consents to the appointment.

PART VIII

RECORD OF MEMORANDA OF AGREEMENT

48. Form of memorandum.—Memorandum of agreement sent to the Commissioner under sub-section (1) of Section 28 shall, unless the Commissioner otherwise directs, be in duplicate, and shall be in as close conformity as the circumstances of the case admit with Form K or Form L or Form M, as the case may be.

49. Procedure where Commissioner does not consider that he should refuse to record memorandum.—(1) On receiving a memorandum of agreement, the Commissioner shall, unless he considers that there are grounds for refusing to record the memorandum, fix a date for recording the same, and shall issue a notice in writing in Form N to the parties concerned that in default of objections he proposes to record the memorandum on the date so fixed:

Provided that the notice may be communicated orally to any parties who are present at the time when notice in writing would otherwise issue.

(2) On the date so fixed, the Commissioner shall record the memorandum unless, after hearing any of the parties who appear and desire to be heard, he considers that it ought not to be recorded:

Provided that the issues of a notice under sub-rule (1) shall not be deemed to prevent the Commissioner from refusing to record the memorandum on the date so fixed even if no objection be made by any party concerned.

(3) If on such date the Commissioner decides that the memorandum ought not to be recorded, he shall inform the parties present on his decision and of the reasons therefor, and, if any party desiring the memorandum to be recorded is not present, he shall send information to that party in Form O.

भाग VI

अन्तरण

44. रिपोर्ट के लिये अन्तरण.—(1) कोई आयुक्त जो धारा 21 की उपधारा (2) के अनुसार रिपोर्ट के लिये किसी मामले को अन्य आयुक्त के पास अन्तरित कर रहा है, उस उपधारा में उल्लिखित दस्तावेज के साथ उस अन्य आयुक्त के पास ऐसा संक्षिप्त कथन भेजेगा जो उस मामले के उत्तर के लिये जिस पर रिपोर्ट मांगी गयी है के प्रश्नों के प्ररूप में होगा।

(2) आयुक्त जिसके पास रिपोर्ट के लिये मामला इस प्रकार अन्तरित किया गया है किसी विधि के प्रश्न का उत्तर देने के लिये अपेक्षित नहीं होगा।

45. धन का पारेषण.—एक आयुक्त द्वारा दूसरे आयुक्त के पास धारा 21 की उपधारा (2) के अनुसार भेजा गया धन या तो प्रेषण अन्तरण रसीद, या धनादेश या दूत द्वारा, जैसा भी धन भेजने वाला आयुक्त निर्दिष्ट दे, भेजा जायेगा।

भाग VII

प्रतिनिधियों की नियुक्ति

46. जब प्रतिनिधि अवश्य नियुक्त किये जाने चाहिये.—जब कार्यवाही का कोई पक्षकार 15 वर्ष से कम आयु का हो अथवा पेश होने में असमर्थ हो तो आयुक्त कार्यवाही के उद्देश्य से ऐसे पक्षकार का प्रतिनिधित्व करने के लिये किसी उपयुक्त व्यक्ति की नियुक्ति करेगा।

47. जब नये प्रतिनिधि को नियुक्त करना हो.—यदि आयुक्त यह समझता है कि किसी पक्षकार जिसके लिये धारा 46 के तहत प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है के हितों की रक्षा उस प्रतिनिधि से सही तरह से नहीं हो रही है अथवा प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, अथवा कार्य करने में अक्षम हो जाता है, अथवा अन्य प्रकार से कार्य करना बन्द कर देता है तो आयुक्त उसके स्थान पर अन्य व्यक्ति नियुक्त करेगा जो नियुक्ति की सहमति देगा।

भाग VIII

करार के ज्ञापनों का अभिलेख

48. ज्ञापन का प्रारूप.—धारा 28 की उपधारा (1) के तहत आयुक्त के पास भेजा गया करार का ज्ञापन यदि आयुक्त, अन्यथा निर्देश न दे, दो प्रतियों में होगा, और प्ररूप-ट अथवा प्ररूप-ड, जैसी भी स्थिति हो, के उतने अनुरूप होगा जितनी मामले की परिस्थितियाँ ग्रहण करें।

49. प्रक्रिया जहाँ आयुक्त यह नहीं मानता कि उसे ज्ञापन अभिलेखित करने से इन्कार करना चाहिये.—(1) करार का ज्ञापन प्राप्त करने पर यदि आयुक्त यह नहीं मानता कि ज्ञापन को अभिलेखित करने से इन्कार करने के आधार हैं तो वह उन्हें अभिलेखित करने के लिये तारीख तय करेगा और सम्बन्धित पक्षकारों को प्ररूप-ड में एक नोटिस जारी करेगा कि एतराजों के पेश न किये जाने की सूत में वह इस प्रकार तय तारीख पर ज्ञापन को अभिलेखित करने का प्रस्ताव करता है :

परन्तु नोटिस किन्हीं भी पक्षकारों को मौखिक पहुंचाया जा सकता है जो उस समय जब नोटिस लिखित रूप में अन्यथा जारी होता उपस्थित हो।

(2) इस प्रकार तय तारीख पर, आयुक्त ज्ञापन अभिलेखित करेगा यदि किन्हीं पक्षकारों को जो पेश होकर सुने जाने की इच्छा प्रकट करे वह यह न माने कि इसे अभिलेखित नहीं किया जाना चाहिये :

परन्तु उपनियम (1) के तहत कि विवादक आयुक्त को इस प्रकार तय तारीख पर ज्ञापन को अभिलेखित करने के लिये इन्कार करने से नहीं रोक सकेंगे चाहे सम्बन्धित किसी पक्ष ने एतराज न किया हो।

(3) यदि इस तारीख पर आयुक्त यह निर्णय लेता है कि ज्ञापन अभिलेखित नहीं किया जाना चाहिये तो वह अपने निर्णय एवं इसके कारणों की सूचना उपस्थित पक्षकारों को देगा, यदि ज्ञापन को अभिलेखित करने की चाह रखने वाला कोई उपस्थित नहीं है, तो वह प्ररूप-ण में पक्षकार को सूचना देगा।

50. Procedure where Commissioner considers he should refuse to record memorandum.—(1) If, on receiving a memorandum of agreement, the Commissioner considers that there are grounds for refusing to record the same, he shall fix a date for hearing the party or parties desiring the memorandum to be recorded, and shall inform such party or parties and, if he thinks fit, any other party concerned, of the date so fixed and of the grounds on which he considers that the memorandum should not be recorded.

(2) If the parties to be informed are not present, a written notice shall be sent to them in Form P or Form Q, as the case may be, and the date fixed in such notice shall be not less than seven days after the date of the issue of the same.

(3) If, on the date fixed under sub-rule (1), the party or parties desiring the memorandum to be recorded show adequate cause for proceeding to record the same, the Commissioner may, if information has already been given to all the parties concerned, record the agreement. If information has not been given to all such parties, he shall proceed in accordance with Rule 49.

(4) If, on the date so fixed, the Commissioner refuses to record the memorandum, he shall send notice in Form O to any party who did not receive information under sub-rule (1).

51. Procedure on refusal to record memorandum.—(1) If in any case the Commissioner refuses to record a memorandum of agreement, he shall briefly record his reasons for such refusal.

(2) If the Commissioner refuses to record a memorandum of agreement, he shall not pass any order directing the payment of any sum or amount over and above the sum specified in the agreement, unless opportunity has been given to the party liable to pay such sum to show cause why it should not be paid.

(3) Where the agreement is for the redemption of half-monthly payments by the payment of a lump sum, and the Commissioner considers that the memorandum of agreement should not be recorded by reason of the inadequacy of the amount of such sum as filed in the agreement, he shall record his estimate of the probable duration of the disablement of the workman.

52. Registration of memorandum accepted for record.—In recording a memorandum of agreement, the Commissioner shall cause the same to be entered in a register in Form R and shall cause an endorsement to be entered under his signature on a copy of the memorandum to be retained by him in the following terms, namely:

"THIS MEMORANDUM OF AGREEMENT BEARING SERIAL NO. OF 20....., IN THE REGISTER HAS BEEN RECORDED THISDAY OF

Sd.....
Commissioner

FORM A
[Rule 6 (1)]

Deposit of Compensation for Fatal Accident

[Section 8 (1) of the Workmen's Compensation Act, 1923]

1. Compensation amounting to Rs. is hereby presented for deposit in respect of injuries resulting in the death of the workman which occurred on whose particulars are given below:

नियम 50—प्रारूप-क]

50. प्रक्रिया जहां आयुक्त यह मानता है कि ज्ञापन अभिलेखित करने से इनकार करना चाहिये.—(1) करार के ज्ञापन को प्राप्त करने पर यदि आयुक्त यह मानता है कि ज्ञापन अभिलेखित करने से इनकार करने के पर्याप्त आधार हैं तो वह पक्षकार या पक्षकारों को सुनने के लिये जो ज्ञापन को अभिलेखित करने की इच्छा रखते हैं तारीख तय करेगा और ऐसे पक्षकार या पक्षकारों को और, यदि वह उचित समझे, किसी अन्य सम्बन्धित पक्षकार को सूचना देगा।

(2) यदि सूचना दिये जाने वाले पक्षकार उपस्थित नहीं हों तो प्रारूप-त अथवा प्रारूप-थ में जैसी भी स्थिति हो, एक लिखित नोटिस उन्हें दिया जायेगा, और इस नोटिस में तय तारीख नोटिस जारी होने की तारीख के बाद से सात दिन से कम नहीं होगी।

(3) उपनियम (1) के तहत तय तारीख पर यदि ज्ञापन को अभिलेखित करने की चाह रखने वाला पक्षकार या वाले पक्षकार ज्ञापन को अभिलेखित करने के लिये कार्यवाही करने के लिये उचित कारण दर्शाते हैं तो आयुक्त यदि सम्बन्धित सभी पक्षकारों को पहले ही सूचना दी जा चुकी है, करार अभिलेखित करेगा। यदि इन सभी पक्षकारों को सूचना नहीं दी गयी है तो वह नियम 49 के अनुसार कार्यवाही करेगा।

(4) तय तारीख यदि आयुक्त ज्ञापन अभिलेखित करने से इनकार कर देता है तो वह उस किसी पक्षकार को प्रारूप-ण में नोटिस भेजेगा जिसने नियम (1) के तहत सूचना प्राप्त नहीं की थी।

51. ज्ञापन अभिलेखित करने से इनकार पर प्रक्रिया.—(1) यदि किसी मामले में आयुक्त करार के ज्ञापन को अभिलेखित करने से इनकार करता है तो वह अपने इस इनकार के कारणों का संक्षिप्त अभिलेखन करेगा।

(2) यदि आयुक्त करार के ज्ञापन को अभिलेखित करने से इनकार कर देता है तो वह करार में विनिर्दिष्ट राशि से अधिक किसी राशि या रकम का संदाय करने को निर्देशित करने वाला आदेश पारित नहीं करेगा यदि राशि अदा करने के दायी पक्षकार यह कारण बताते का कि राशि अदा क्यों नहीं की जानी चाहिये अवसर न दे दिया गया हो।

(3) जहां करार एकमुश्त राशि के संदाय के द्वारा अर्द्धमासिक संदायों के छुटकारे के लिये हो, और आयुक्त यह माने कि करार का ज्ञापन इस कारण से अभिलेखित नहीं किया जाना चाहिये क्योंकि करार में फाइल की गयी स्टॉक की रकम अपर्याप्त है, तो वह कर्मकार की निःशक्ता की सम्भाव्य अवधि का अपना आंकलन अभिलेखित करेगा।

52. अभिलेख के लिये स्वीकार किये गये ज्ञापन का पंजीकरण.—करार के ज्ञापन अभिलेखित करने में आयुक्त इसको प्रारूप-द में एक रजिस्टर में दर्ज करायेंगे और ज्ञापन को एक प्रति पर अपने हस्ताक्षर द्वारा एक पृष्ठंकन करवायेगा जो निम्नलिखित निबन्धनों में उसके द्वारा रखी जायेगी, यथा :

"20.को क्रम सं०वाला करार का ज्ञापन.....के दिन.....को रजिस्टर में अभिलेखित किया गया।

हस्ताक्षर.....
आयुक्त

प्रारूप क

[नियम 6 (1)]

घातक दुर्घटना के लिये प्रतिकर का जमा होना

[कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 को धारा 8 (1)]

1. कर्मकार की मृत्यु जो दिनांक.....को हुई जिसका विवरण नीचे दिया जा रहा है का कारण बनने वाली क्षतियों के सम्बन्ध में जमा करने के लिये प्रतिकर राशि.....रुपये एतद्वारा पेश है :

Name
 Father's/Husband's (in case of married woman or widow)
 name.....
 Caste
 Local address
 Permanent address
 His/Her monthly wages are estimated at Rs. when he/she
 was over/under the age of 15 years at the time of his/her death.

(2) The said workman had, prior to the date of his/her death received the
 following payments, namely:

Rs. on dt.	Rs. on dt.
Rs. on dt.	Rs. on dt.
Rs. on dt.	Rs. on dt.

Amounting in all to Rs.

3. An advance of Rs. has been made on account of
 compensation to being his/her dependent.

4. * I do not/desire to be made a party to the proceedings for distribution of
 the aforesaid compensation.

Dated the 20.....

Employer

*Where an employer desires to be made a party the proceeding he should
 strike out the words "do not."

FORM AA

[Rule 6 (1)]

Deposit of Compensation for Non-fatal Accident to a Woman or person under Legal Disability

[Section 8 (1) of the Workmen's Compensation Act, 1923]

1. Compensation amounting to Rs. is hereby presented for
 deposit in respect of injuries sustained by
 residing at on dt. 20.....
 resulting in the loss of/temporary disablement. His/Her monthly wages are
 estimated at Rs. when he/she was over/under the age of 15 years
 at the time of the accident.

2. The said injured workman has prior paid to the date of the deposit
 received the half-monthly payments, namely:

Rs. on dt.	Rs. on dt.
Rs. on dt.	Rs. on dt.
Rs. on dt.	Rs. on dt.

Dated the 20.....

Employer

FORM B

[Rule 6]

Receipt for Compensation

[Deposit under Section 8 (1) of the Workmen's Compensation Act, 1923]

Book No. Receipt No. Register No.

Depositor
 Deceased or injured workman

Date of Deposit 20.....

नाम.....
 पिता का/पति का (विवाहित स्त्री या विधवा स्त्री के मामले में) नाम.....
 जाति.....
 स्थानीय पता.....
 स्थायी पता.....
 उसकी मासिक मजदूरी..... रुपये आंकी गयी जब वह उसकी मृत्यु के समय 15
 वर्ष की आयु से अधिक/कम थी।

2. उक्त कर्मकार ने अपनी मृत्यु के पहले निम्नलिखित संदाय प्राप्त कर लिये थे, यथा :

दिनांक.....को.....रु०.....	दिनांक.....को.....रु०.....
दिनांक.....को.....रु०.....	दिनांक.....को.....रु०.....
दिनांक.....को.....रु०.....	दिनांक.....को.....रु०.....

कुल राशि.....

3. उसके आश्रित होने के नाते.....को प्रतिकर के एवज में.....रु० अग्रिम भुगतान
 किया गया है।

4. उपयुक्त प्रतिकर के वितरण के लिये कार्यवाहियों में पक्षकार बनने की मेरी इच्छा नहीं है।*

दिनांक.....20.....

नियोजक

* जहां कोई नियोजक कार्यवाहियों में पक्षकार बनने की इच्छा को तो उसे शब्द "नहीं" काट देना
 चाहिये।

प्ररूप कक

[नियम 6 (1)]

गैर घातक दुर्घटना के लिये वैध निःशक्ता के अन्तर्गत किसी महिला या व्यक्ति के लिये प्रतिकर का
 जमा होना

[कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 8 (1)]

1. नुकसान/अस्थायी निःशक्ता का कारण बनने वाली, दिनांक.....20.....को.....में
 रहने वाले.....की क्षतियों के सम्बन्ध में प्रतिकर राशि.....रुपये के निक्षेप
 के लिये एतद्वारा पेश की जाती है। जब वह दुर्घटना के समय 15 वर्ष से अधिक/कम थी/था उसकी मासिक
 मजदूरी केरुपये आंकी गयी थी।

2. उक्त कर्मकार निक्षेप की तारीख से पहले अर्द्धमासिक संदाय प्राप्त कर चुका है,
 यथा :

दिनांक.....को.....रु०.....	दिनांक.....को.....रु०.....
दिनांक.....को.....रु०.....	दिनांक.....को.....रु०.....
दिनांक.....को.....रु०.....	दिनांक.....को.....रु०.....

दिनांक.....20.....

नियोजक

प्ररूप ख

[नियम 6]

प्रतिकर की रसीद

[कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 8 (1) के तहत निक्षेप]

बुक सं०.....

जमाकर्ता.....

मृत या क्षतिग्रस्त कर्मकार.....

जमा की तारीख.....20.....

रसीद सं०.....

रजिस्टर सं०.....

Sum deposited Rs.
Dated the 20.....

FORM C

[Rule 6]

Statement of Disbursements

[Section 8 (4) of the Workmen's Compensation Act, 1923]

Serial No.
Depositor
Date
Amount deposited
Amount deducted and re-paid to the employer under the proviso to Section 8 (1)
Funeral expenses paid
Compensation paid to the following dependent (s):
Name Relationship
.....
.....
.....
.....
Dated the 20.....

Rs.

Total

Commissioner

FORM D

[Rule 9]

Deposit of Compensation for Non-fatal Accidents, other than to a Woman or Person under Legal Disability

[Section 8 (2) of the Workmen's Compensation Act, 1923]

Compensation amounting to Rs. is hereby presented for deposit in respect of permanent/temporary injuries sustained by residing at with occurred on dated 19.....

Dated the 20.....

Employer

FORM E

[Rule 9]

Receipt for Compensation

[Deposit under Section 8 (2) of the Workmen's Compensation Act, 1923]

Book No. Receipt No. Register No.
Depositor.....

In favour of.....
Date of deposit the 20.....

Sum deposited Rs.
Dated the 20.....

Commissioner

जमा की गयी राशि.....
दिनांक..... 20.....

आयुक्त

प्ररूप ग

[नियम 6]

संवितरणों का कथन

[कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 8 (4)]

क्रम सं०.....
जमाकर्ता.....
दिनांक.....
रु०.....
जमा की गयी राशि.....
धारा 8 (1) के परन्तुक के तहत कटीती की गयी व नियोजक को प्रति संदाय की गयी राशि.....
अन्तिम संस्कार के लिये अदा किये गये खर्च.....
निम्नलिखित आश्रितों को अदा किया गया प्रतिकर.....
नाम सम्बन्ध
.....
.....
कुल राशि
दिनांक..... 20..... आयुक्त

प्ररूप घ

[नियम 9]

महिला अथवा वैध निःशक्तता के तहत व्यक्ति को से भिन्न, गैर घातक दुर्घटनाओं के लिये प्रतिकर का निक्षेप

[कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 8 (2)]

..... पर रहने वाले..... को पहुँची स्थायी/अस्थायी क्षतियाँ जो रु० निक्षेप के दिनांक..... को पहुँची के बाबत प्रतिकर राशि.....
लिये एतद्वारा पेश की जाती है।
दिनांक..... 20..... नियोजक

प्ररूप ङ

[नियम 9]

प्रतिकर की रसीद

[कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 8 (2) के तहत निक्षेप]

बुक सं०.....
जमाकर्ता..... के पक्ष में
निक्षेप की तारीख..... 20.....
जमा की गयी राशि.....
दिनांक..... 20..... आयुक्त

FORM EE

[Rule 11]

Report of Fatal Accidents

To

Sir,

1. I have the honour to submit the following report of an accident which occurred on dated 20..... at..... (enter details of premises)..... and which resulted in the death of the workman/workmen of whom particulars are given in the statement annexed hereto.

2. The circumstances attending the death of the workman/workmen were as under :

- Time of the accident.
- Place where the accident occurred.
- Manner in which deceased was/were employed at the time.
- Cause of the accident.
- Any other relevant particulars

I have, etc.

Signature and designation
of person making the report

STATEMENT

Name	Sex	Age	Nature of employment	Full postal address
1	2	3	4	5

FORM F

[Rule 20]

Application for Compensation by workman

To the Commissioner for Workmen's Compensation

..... residing at..... applicant
versus

..... residing at..... opposite party

It is hereby submitted that—

(1) the applicant, a workman employed by (a contractor with) the opposite party on the day of 20..... received personal injury by accident arising out of and in the course of his employment.

The cause of the injury was (insert briefly in ordinary language the cause of the injury).....

(2) the applicant sustained the following injuries, namely:

प्ररूप डड

[नियम 11]

घातक दुर्घटनाओं की रिपोर्ट

सेवा में

श्रीमान्

1. मैं निम्नलिखित दुर्घटना की रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहा हूँ जो दिनांक..... 20..... को..... (परिसर का विवरण दें)..... घटित हुई और जो कर्मकार/कर्मकारों की मृत्यु का कारण बनी जिनकी विवरणियाँ इसके साथ नत्थी विवरण में दी गयी हैं।

2. कर्मकार/कर्मकारों की मृत्यु के सम्बन्ध में परिस्थितियाँ इस प्रकार थी :

- दुर्घटना का समय.....
- दुर्घटना का स्थान.....
- तरीका जिसमें मृतक उस समय नियोजित था/थी.....
- दुर्घटना का कारण.....
- कोई अन्य सुसंगत विवरण.....

मैंने प्राप्त की

रिपोर्ट देने वाले व्यक्ति
का पद एवं हस्ताक्षर

नाम	लिंग	आयु	रोजगार की प्रकृति	पूरा डाक पता
1	2	3	4	5

प्ररूप च

[नियम 20]

कर्मकार द्वारा प्रतिकर के लिये आवेदन

कर्मकार प्रतिकर आयुक्त को,

..... निवास स्थान..... आवेदक
बनाम

..... निवास स्थान..... विरोधी पक्ष

एतद्वारा प्रस्तुत किया जाता है कि.....

- (1) दिनांक..... 20..... के..... दिन विरोधी पक्ष (के उक्तेदार) द्वारा नियुक्त कर्मकार..... रोजगार से व रोजगार के दौरान उत्पन्न दुर्घटना द्वारा व्यक्तिगत क्षति हुई हो दिनांक..... 20..... के दिन..... को उसकी मृत्यु का कारण बनी।
क्षति का कारण यह था (साधारण भाषा में क्षति का संक्षिप्त कारण दें).....

- (2) उसके..... के नाते आवेदक मृत कर्मकार का/के आश्रित हैं/हैं।

- (3) the monthly wages of the applicant amount to Rs.
The applicant is over/under the age of 15 years.
- * (4) (a) Notice of the accident was served on the day of 20.....
(b) Notice was served as soon as practicable.
(c) Notice of the accident was not served (in due time) by reason of
- (5) The applicant is accordingly entitled to receive—
(a) half-monthly payment of Rs. from the day of 20..... to
(b) a lump sum payment of Rs.
- (6) The applicant has taken the following steps to secure a settlement by agreement namely..... but it has proved impossible to settle the questions in disputes because,
- * You are, therefore, requested to determine the following questions in dispute, namely—
(a) whether the applicant is a workman within the meaning of the Act;
(b) whether the accident arose out of or in the course of the applicant's employment;
(c) whether the amount of compensation claimed is due, or any part of that amount;
(d) whether the opposite party is liable to pay such compensation as is due;
(e) etc. (as required)
- Dated the 20.....

Applicant

*Strike out whichever clause is not applicable.

FORM G

[Rule 20]

Application for Order to Deposit Compensation

To Commissioner for Workmen's Compensation

..... residing at, applicant;

versus

..... residing at, opposite party

It is hereby submitted that—

(1), a workman employed by (a contractor with) the opposite party on the day of 20....., received personal injury by accident arising out of and in the course of his employment resulting in his death on the day of 20..... The cause of injury was (insert briefly in ordinary language the cause of injury).....

(2) The applicant(s) is a/are dependant(s) of the deceased workman being his.....

(3) The monthly wages of the deceased amount to Rs.
The deceased was over/under the age of 15 years at the time of his death.

- * (4) (a) Notice of the accident was served on the day of
(b) Notice was served as soon as practicable.

- (3) मृतक की मासिक मजदूरी..... रुपये थी। मृतक अपनी मृत्यु के समय 15 वर्ष से अधिक/कम था।
- * (4) (क) दुर्घटना का नोटिस दिनांक..... 20..... के दिन..... को तामील कराया गया।
(ख) नोटिस जहाँ तक शीघ्र हो सका उतना शीघ्र तामील कराया गया।
(ग) दुर्घटना का नोटिस..... की वजह से (सही समय पर) तामील नहीं कराया गया।
- (5) आवेदक अनुसार—
(क) 20 के दिन से तक रु० के अर्धमासिक भुगतान।
(ख) रु० के एकमुश्त भुगतान
को प्राप्त करने के लिए हकदार है।
- (6) आवेदक ने करार अर्थात् द्वारा निपटारा को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाया है किन्तु विवादाम्यद प्रश्नों का निपटारा करना असम्भव हो गया है क्योंकि.....
- * इसलिए, आपसे निम्नलिखित विवादाम्यद प्रश्नों को अवधारित करने के लिए अनुरोध किया जाता है, अर्थात्—
(क) क्या आवेदक अधिनियम के अर्थान्तर्गत कर्मकार है।
(ख) क्या दुर्घटना आवेदक के नियोजन से या के अनुक्रम में हुई थी।
(ग) क्या दावाकृत प्रतिकर की धनराशि बकाया है या उस धनराशि का कोई भाग है।
(घ) क्या विपक्षी पक्षकार ऐसे प्रतिकर का भुगतान करने के लिए दायी है, जो बकाया है।
(ङ) इत्यादि (जैसा कि अपेक्षित है)

दिनांक 20.....

आवेदक

प्ररूप छ

[नियम 20]

प्रतिकर का निक्षेप करने के लिए आदेश के लिए आवेदन

कर्मकार प्रतिकर आयुक्त के समक्ष

निवासी

आवेदक

बनाम

निवासी

विरोधी पक्ष

एतद्वारा प्रस्तुत किया जाता है कि.....

- (1) विपक्षी पक्षकार द्वारा (ठेकेदार के साथ) नियोजित कर्मकार 20 के दिन को उसके नियोजन से उद्भूत और के अनुक्रम में दुर्घटना द्वारा व्यक्तिगत उपहति हुई है, जिसका परिणाम 20..... के दिन को उसकी मृत्यु में हुई है। उपहति का कारण (संक्षेप में साधारण भाषा में उपहति का कारण अन्तःस्थापित करें) था।
- (2) आवेदक(कों) मृत कर्मकार के उसका होने के कारण आश्रित(गण) हैं/हैं।
- (3) मृतक की मासिक मजदूरी है।
मृतक अपनी मृत्यु के समय 15 वर्ष से अधिक/कम आयु का था।
- (4) (क) दुर्घटना की सूचना को तामिली के दिन को की गयी थी।
(ख) नोटिस की तामिली यथा सम्भव शीघ्र की गयी थी।

(c) Notice of the accident was not served (in due time) by reason as.....
 (5) The deceased before his death received as compensation the total sum of Rs.....
 The applicant(s) is/are accordingly entitled to receive a lump sum payment of Rs.....
 You are, therefore, requested to award to the applicant the said compensation or any other compensation to which he may be entitled.
 Dated the20.....

Applicant

* Strike out whichever is not applicable.

FORM H

[Rule 20]

Application for Communication

[Section 7 of the Workmen's Compensation Act, 1923]

To the Commissioner for Workmen's Compensation,

..... residing at, applicant;

versus

..... residing at, opposite party

It is hereby submitted that—

(1) The applicant/opposite party has been in receipt of half-monthly payments from..... to..... in respect of temporary disablement by accident arising out of and in the course of his employment.

(2) The applicant is desirous that the right to receive half-monthly payments should be redeemed.

(3) (a) The opposite party is unwilling to agree to the redemption of the right to receive half-monthly payments.

(b) The parties have been unable to agree regarding the sum for which the right to receive half-monthly payments should be redeemed.

You are, therefore, requested to pass orders—

(a) directing that the right to receive half-monthly payments should be redeemed;

(b) fixing a sum for the redemption of the right to receive half-monthly payments.

Dated the 20.....

Applicant

* * *

FORM J

[Rule 39]

Notice

Whereas a claim for compensation has been made by..... applicant, against..... and the said has claimed that you are liable under Section 12 (2) of the Workmen's Compensation Act, 1923, to indemnify him against any compensation which he may be liable to pay in respect of the aforesaid claim, you are hereby informed that you may appear before me on the 20..... and, contest the claim for compensation made by the said applicant or the claim for indemnity made by the opposite party. In default of your appearance you will be deemed to admit the validity of any award made

(ग) दुर्घटना की सूचना की तामिली के कारण (समय के अनुरूप) नहीं की गयी थी।

(5) मृतक अपनी मृत्यु के पूर्व रु० की कुल धनराशि प्रतिकर के रूप में प्राप्त किया था। आवेदक (गण) तदनुसार रु० के एकमुश्त भुगतान के प्राप्त करने के लिए हकदार हैं। इसलिए आपसे उक्त प्रतिकर या किसी अन्य धनराशि, जिसके लिए वह हकदार हो सकता है, को आवेदक को प्रदान करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

दिनांक 20

आवेदक

उसे काट दीजिए, जो लागू न हो।

प्रारूप ज

[नियम 20]

संस्चार के लिये आवेदन

कर्मकार प्रतिकर आयुक्त को

..... निवास स्थान..... आवेदक

बनाम

..... निवास स्थान..... विरोधी पक्ष

एतद्वारा प्रस्तुत किया जाता है कि.....

(1) आवेदक/विरोधी पक्ष नियोजन से एवं नियोजन के दौरान से उत्पन्न दुर्घटना से हुयी अस्थायी निःशक्ता के बाबत दिनांक..... से..... तक अर्द्ध-मासिक संदाय प्राप्त करता रहा है।

(2) आवेदक इच्छुक है कि अर्द्ध-मासिक संदायों के प्राप्त करने के अधिकार को मोचित कर दिया जाये।

(3) (क) विरोधी पक्ष अर्द्ध मासिक संदाय प्राप्त करने के अधिकार के मोचन से सहमत नहीं है
 (ख) पक्षकार उस राशि के सम्बन्ध में जिसके लिये अर्द्ध मासिक संदाय प्राप्त करने के अधिकार को मोचित कर दिया जाये सहमत होने से असमर्थ रहे हैं।

अतः आपसे निवेदन है कि—

(क) यह निर्देश देते हुये कि अर्द्ध मासिक संदाय प्राप्त करने का अधिकार मोचित कर दिया जाये;

(ख) अर्द्ध मासिक संदाय को प्राप्त करने के अधिकार के मोचन के लिये राशि तय करने के लिये आदेश पारित करें।

दिनांक..... 20.....

आवेदक

प्रारूप झ

[* * *]

प्रारूप ज

[नियम 39]

नोटिस

यह मानते हुये कि आवेदक..... के द्वारा..... ने यह दावा किया है कि आप विरुद्ध प्रतिकर का दावा किया गया है और उक्त..... के तहत किसी प्रतिकर के विरुद्ध उसको क्षतिपूर्ति कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 12 (2) के तहत किसी प्रतिकर के विरुद्ध उसको क्षतिपूर्ति करने के दायी हैं जो वह उपर्युक्त दावे को अदा करने के लिये दायी हैं; आपको एतद्वारा सूचित किया जाता है कि आप दिनांक..... 20..... को मेरे सम्मक्ष पेश हो सकते हैं और उक्त आवेदक द्वारा किये गये प्रतिकर के दावे अथवा विरोधी पक्ष द्वारा किये गये क्षतिपूर्ति के दावे का विरोध करें। आपके पेश न होने के व्यतिरिक्त मैं ऐसा माना जायेगा कि आप विरोधी पक्ष के विरुद्ध दिये गये किसी अधिनियम को और

against the opposite party and your liability to indemnify the opposite party for any compensation recovered from him.

Dated the 20.....

Commissioner

FORM JJ

[Rule 39]

Notice

Whereas a claim for compensation has been made by..... applicant, against..... and the said..... has claimed that you are liable under Section 12 (2) of the Workmen's Compensation Act, 1923, to indemnify him against any compensation which he may be liable to pay in respect of the aforesaid claim, and whereas the said..... on notice served has claimed that you stand to him in the relation of a contractor from whom the applicant..... could have recovered compensation, you are hereby informed that you may appear before me on dated.....20....., and contest the claim for compensation made by the said applicant or the claim for indemnity made by the opposite party..... In default of your appearance you will be deemed to admit the validity of any award made against the opposite party....., and your liability to indemnify the opposite party..... for any compensation recovered from him.

Dated the..... 20.....

Commissioner

FORM K

[Rule 48]

Memorandum Of Agreement

It is hereby submitted that on theday of20..... personal injury was caused to..... residing at..... by accident arising out of and in the course of employment in..... The said injury has resulted in temporary disablement to the said workman whereby it is estimated that he will be prevented from earning more than of his previous/any wage for a period.....months. The said workman has been in respect of half-monthly payments which have continued from theday of20..... until the.....day of.....19..... amounting to Rs..... in all. The said workman's monthly wages are estimated at Rs..... The workman is over the age of 15 years/will reach the age of 15 years on.....

It is further submitted that....., the employer of the said workman has agreed to pay, and the said workman has agreed to accept, the sum of Rs....., in full settlement of all and every claim under the Workmen's Compensation Act, 1923, in respect of all disablement of a temporary nature arising out of the said accident, whether now or hereafter to become manifest. It is, therefore, requested that this memorandum be duly recorded.

Witness..... Signature of employer.....

Witness..... Signature of workman.....

Dated the20.....

Note.—An application to register an agreement can be presented under the signature of one party, provided that the other party has agreed to the terms. But both signatures should be appended, whenever possible.

उससे वसूले गये किसी प्रतिकर के लिये विरोधी पक्ष की क्षतिपूर्ति के लिये आप अपना दायित्व स्वीकार करते हैं।

दिनांक.....20.....

आयुक्त

प्रारूप जज

[नियम 39]

नोटिस

जबकि.....के विरुद्ध आवेदक.....के द्वारा प्रतिकर का दावा किया गया है और उक्त.....ने यह दावा किया है कि आप कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 12 (2) के तहत उसको उस किसी प्रतिकर की क्षतिपूर्ति करने के दायी हैं जो वह उपर्युक्त दावे के बाबत अदा करने का दायी होता, और जबकि उक्त.....ने नोटिस तामील हो जाने पर यह दावा किया है कि आप.....उत्केदार के सम्बन्ध में उसके विरुद्ध हैं जिससे आवेदक.....प्रतिकर वसूल लेता, आपको एतद्वारा सूचित किया जाता है कि आप दिनांक.....20.....को मेरे समक्ष पेश हों, और उक्त आवेदक के द्वारा किये गये दावे अथवा विरोधी पक्ष.....द्वारा किये गये क्षतिपूर्ति के दावे का विरोध करें। आपके पेश होने के व्यक्तिक्रम में यह माना जायेगा कि आप विरोधी पक्ष.....से वसूले गये किसी प्रतिकर के लिये उसके विरुद्ध दिये गये किसी अधिनियम की विधिमाम्यता को स्वीकार करते हैं।

दिनांक.....20.....

आयुक्त

प्रारूप ट

[नियम 48]

करार का ज्ञापन

एतद्वारा प्रस्तुत किया जाता है कि नियोजक से उत्पन्न और नियोजन के दौरान हुये दुर्घटना से.....के दिनांक.....20.....के दिन.....को व्यक्तिगत क्षति के निवासी.....के दिनांक.....20.....के दिन.....को व्यक्तिगत क्षति पहुँची और उक्त कर्मकार को निःशक्ता का कारण बनी जिससे यह अनुमान लगाया गया है कि.....महीनों की अवधि के लिये उसको पूर्व की/कोई किसी मजदूरी से अधिक नहीं अर्जित कर पायेगा। उक्त कर्मकार अर्द्धमासिक संदाय प्राप्त करता रहा है जो दिनांक.....20.....के दिन.....से दिनांक.....20.....के दिन.....तक कुल.....रुपये प्राप्त करता रहा। उक्त कर्मकार की मासिक मजदूरी.....रुपये है। कर्मकार दिनांक.....को 15 वर्ष से अधिक आयु का है।

यह पुनः प्रस्तुत है कि.....उक्त कर्मकार का नियोजक, उक्त दुर्घटना से उत्पन्न अस्थायी प्रकृति को सभी निःशक्ता के बाबत कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 के तहत सभी दावों के पूर्ण निपटारे में, चाहे अभी या बाद में प्रकट किया जाये, रुपये.....की राशि उक्त कर्मकार का नियोजक अदा करने व उक्त कर्मकार स्वीकार करने को राजी हो गये हैं। अतः निवेदन है कि ज्ञापन सम्यक् रूप से अभिलिखित किया जाये।

गवाह..... नियोजक के हस्ताक्षर.....

गवाह..... कर्मकार के हस्ताक्षर.....

दिनांक.....20.....

नोट.—करार को रजिस्टर कराने का आवेदन किसी एक पक्ष के हस्ताक्षर से पेश किया जा सकता है बशर्त अन्य पक्ष निबन्धनों से सहमत हो। परन्तु जहाँ सम्भव हो दोनों हस्ताक्षर हों।

RECEIPT

[To be filled in when the money has actually been paid]

In accordance with the above agreement, I have this day the received the sum of Rs.

STAMP

Dated the 20.....

The money has been paid and this receipt signed in my presence

Workman

Witness

Note.—This form may be varied to suit special cases.....e.g., injury by occupational diseases, agreement when workman is under legal disability, etc.

FORM L

[Rule 48]

Memorandum of Agreement

It is hereby submitted that on the day of 20....., personal injury was caused to residing at by accident arising out of and in the course of his employment in The said injury has resulted in permanent disablement to the said workman of the following nature, namely:

The said workman's monthly wages are estimated at Rs.

The workman is over the age of 15 years/will reach the age of 15 years on The said workman has, prior to the date of his agreement, received the following payments, namely:

Rs. on dt.

Rs. on dt.

Rs. on dt.

Rs. on dt.

Rs. on dt.

Rs. on dt.

It is further submitted that the employer of the said workman has agreed to pay and, the said workman has agreed to accept the sum of Rs. in full settlement of all and every claim under the Workmen's Compensation Act, 1923, in respect of the disablement stated above and all disablements now manifest. It is, therefore, requested that this memorandum be duly recorded.

Witness

Witness.....

Dated the 20.....

Signature of employer.....

Signature of workman.....

Note.—An application to register an agreement can be presented under the signature of one party, provided that the other party has agreed to the terms. But both signatures should be appended, whenever possible.

रसीद

(उस समय भरी जाये जब वास्तव में अदा कर दिया जाये)

उपर्युक्त करार के अनुसार मैंने आज.....को.....रुपये प्राप्त किये हैं,

स्टाम्प

दिनांक.....20.....

कर्मकार

धन अदा कर दिया गया है और रसीद मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षरित हुयी है।

गवाह

नोट.—यह प्ररूप विशेष वर्गों के.....के अनुकूल करने के लिये परिवर्तित किया जा सकता है, उदाहरण के तौर पर, उपजीविका जन्य रोगों से क्षति जब कर्मकार वैध निःशक्ता को अन्तर्गत हो, इत्यादि।

प्ररूप ठ

[नियम 48]

करार का ज्ञापन

एतद्वारा प्रस्तुत किया जाता है कि दिनांक.....20.....के दिन.....को.....में अपने नियोजन से व के दौरान उत्पन्न दुर्घटना से.....निवासो.....को व्यक्तिगत क्षति पहुंची। उक्त क्षति उक्त कर्मकार को निम्नलिखित प्रकृति की स्थायी निःशक्ता के कारण बनी, यथा :

उक्त कर्मकार की मासिक मजदूरी.....रुपये आंकी गयी है।

उक्त कर्मकार 15 वर्ष की आयु से अधिक है/दिनांक.....को 15 वर्ष की आयु का होगा। उक्त कर्मकार ने अपने करार की तारीख से पूर्व निम्नलिखित संदाय प्राप्त कर लिये हैं, यथा :

दिनांक.....को.....रु०.....

दिनांक.....को.....रु०.....

दिनांक.....को.....रु०.....

दिनांक.....को.....रु०.....

दिनांक.....को.....रु०.....

दिनांक.....को.....रु०.....

यह पुनः प्रस्तुत किया जाता है कि उपर्युक्त निःशक्ता के सम्बन्ध में कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 के तहत सभी दावों के पूर्ण निपटारे में.....रुपये की राशि उक्त कर्मकार का नियोजक.....अदा करने एवं उक्त कर्मकार स्वीकार करने को सहमत हो गये हैं और भी निःशक्ताये प्रकट हैं। अतः यह निवेदन है कि ज्ञापन सम्यक् रूप से अभिलिखित किया जाये।

नियोजक के हस्ताक्षर.....

गवाह.....

कर्मकार के हस्ताक्षर.....

गवाह.....

दिनांक.....20.....

नोट.—करार को रजिस्टर कराने के लिये एक पक्ष द्वारा हस्ताक्षरित आवेदन दिया जा सकता है बशर्ते अन्य पक्ष निबन्धनों से सहमत हों। परन्तु दोनों के हस्ताक्षर जब सम्भव हो संलग्न हों।

RECEIPT

[To be filled in when the money has actually been paid]

In accordance with the above agreement, I have this day received the sum of Rs.

STAMP

Workman

Dated the 20.....

The money has been paid and this receipt signed in my presence

Witness

Note.—This form may be varied to suit special cases, e.g., injury by occupational diseases, agreement when workman is under legal disability, etc.

FORM M

[Rule 48]

Memorandum of Agreement

It is hereby submitted that on the day of 19....., personal injury was caused to residing at by accident arising out of and in the course of employment in The said injury has resulted in temporary disablement to the said workman, who is at present in receipt of wages amounting to Rs. per month/no wages.

The said workman's monthly wages prior to the accident are estimated at Rs. The workman is subject to a legal disability by reason of

It is further submitted that the employer of the workman has agreed to pay and on behalf of the said workman has agreed to accept half-monthly payments at the rate of Rs. for the period of the said temporary disablement. This agreement is subject to the condition that the amount of half-monthly payments may be varied in accordance with the provisions of the said Act on account of an alteration in the earnings of the said workman during disablement. It is further stipulated that all rights of commutation under Section 7 of the said Act are unaffected by this agreement. It is, therefore, requested that this memorandum be duly recorded.

Witness..... Signature of employer.....

Witness..... Signature of workman.....

Note.—An application to register an agreement can be presented under the signature of one party, provided that the other party has agreed to the terms. But both signatures should be appended, whenever possible.

RECEIPT

[To be filled in when the money has actually been paid]

In accordance with the above agreement, I have this day received the sum of Rs.

STAMP

Workman

Dated the 20.....

रसीद

(तब भरी जाये जब धन वास्तव में अदा कर दिया जाये)

उपयुक्त करार के अनुसार मैंने दिनांक को रुपये प्राप्त कर लिये हैं।

स्टाम्प

दिनांक.....20.....

धन अदा कर दिया गया है, और रसीद पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर हुये हैं।

कर्मकार

गवाह

नोट.—विशेष मामलों, उदाहरण के लिये, जब कर्मकार वैध निःशक्ता के अन्तर्गत के समय उपजीविका-जन्य रोग करार, इत्यादि से क्षति, अनुकूल करने के लिये इस प्रारूप को परिवर्तित किया जा सकता है।

प्रारूप ड

[नियम 48]

करार का ज्ञापन

एतद्वारा प्रस्तुत है कि में नियोजन से उत्पन्न और नियोजन के दौरान दुर्घटना द्वारा पर रहने वाले को दिनांक को व्यक्तिगत क्षति पहुंची। उक्त क्षति उक्त कर्मकार की अस्थायी निःशक्ता का कारण बनी जो वर्तमान में रुपये मासिक प्राप्त करता है।

उक्त कर्मकार की मासिक मजदूरी दुर्घटना से पूर्व रुपये है। कर्मकार को वजह से वैध निःशक्ता के अधीन है।

पुनः प्रस्तुत है कि उक्त अस्थायी निःशक्ता काल के लिये रुपये की दर से अर्द्ध मासिक संदाय को कर्मकार का नियोजक अदा करने को और कर्मकार को ओर से स्वीकार करने को सहमत हो गये हैं। यह करार उस शर्त के अधीन है कि अर्द्धमासिक संदाय की राशि निःशक्ता के दौरान उक्त कर्मकार के उपार्जन में परिवर्तन को वजह से उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार परिवर्तित की जा सकती है। यह पुनः अनुबन्धित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 7 के तहत लघुकरण के सभी अधिकार करार द्वारा अप्रभावित हैं। अतः निवेदन है कि ज्ञापन सम्यक् रूप से अभिलिखित किया जाये।

गवाह..... नियोजक के हस्ताक्षर.....

गवाह..... कर्मकार के हस्ताक्षर.....

दिनांक.....20.....

नोट.—करार को रजिस्टर कराने का आवेदन एक पक्ष द्वारा हस्ताक्षरित करके दिया जा सकता है। बशर्ते अन्य पक्ष निबन्धनों से सहमत हो। परन्तु जब भी सम्भव हो, दोनों के हस्ताक्षर संलग्न हों।

रसीद

(तब भरा जाये जब वास्तव में धन अदा कर दिया जाये)

उपयुक्त करार के अनुसार, मैंने आज रुपये को राशि प्राप्त कर ली है।

स्टाम्प

दिनांक.....20.....

कर्मकार

The money has been paid and this receipt signed in my presence

Witness

Note.—This form may be varied to suit special cases, e.g., injury by occupational diseases, agreement when workman is under legal disability, etc.

FORM N

[Rule 49]

Whereas an agreement to pay compensation is said to have been reached between and and whereas has/have applied for registration of the agreement under Section 28 of the Workmen's Compensation Act, 1923, notice is hereby given that the said agreement will be taken into consideration on 20....., and that any objections to the registration of the said agreement should be made on that date. In the absence of valid objections it is my intention to proceed to the registration of the agreement.

Dated the 20.....

Commissioner

FORM O

[Rules 49 and 50]

Take notice that registration of the agreement to pay compensation said to have been reached between you and on the 20....., has been refused for the following reasons, namely:

Dated the 20.....

Commissioner

FORM P

[Rules 50]

Whereas an agreement to pay compensation is said to have been reached between and and whereas has/have applied for registration of the agreement under Section 28 of the Workmen's Compensation Act, 1923, and whereas it appears to me that the said agreement ought not to be registered for the following reasons, namely:

..... an opportunity will be afforded to you of showing cause on 20....., why the said agreement should be registered. If no adequate cause is shown on that date, registration of the agreement will be refused.

Dated the 20.....

Commissioner

FORM Q

[Rules 50]

Whereas an agreement to pay compensation is said to have been reached between and and whereas has/have applied for registration of the agreement under Section 28 of the Workmen's Compensation Act, 1923 and whereas it appears to me that the said agreement ought not to be registered for the following reasons, namely:

धन अदा कर दिया गया है और इस रसीद पर हस्ताक्षर मेरे सामने हुये हैं।

गवाह

नोट.—यह प्रारूप विशेष मामले में जैसे उपजीविका जन्य रोग के द्वारा क्षति, कर्मकार, के वैध निःशक्तता में होने पर समझौता, इत्यादि, परिवर्तित किया जा सकता है।

प्रारूप द

[नियम 49]

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुये कि प्रतिकर अदा करने का करार और के मध्य हुआ कहा गया है और इस तथ्य के दृष्टिगोचर कि ने कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 28 के तहत करार के रजिस्ट्रेशन के लिये आवेदन कर दिया है। अतः एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि उक्त करार पर दिनांक 20..... को विचार किया जायेगा और यह कि उक्त करार के प्रति कोई भी एतराज उसी तारीख को उठाये जायें। वैध एतराजों के अभाव में मैं करार के रजिस्ट्रेशन के लिये कार्यवाही करने के लिये आशयित हूँ।

दिनांक 20.....

आयुक्त

प्रारूप ण

[नियम 49 और 50]

सूचना दी जाती है कि दिनांक 20..... को आपके व के मध्य प्रतिकर अदा करने के लिये हुये करार का रजिस्ट्रेशन निम्नलिखित कारणों से अस्वीकृत कर दिया गया है, यथा :

दिनांक 20.....

आयुक्त

प्रारूप त

[नियम 50]

इस तथ्य के दृष्टिगोचर कि और के मध्य प्रतिकर अदा करने का एक करार हुआ कहा जाता है और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुये कि ने कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 28 के तहत करार के रजिस्ट्रेशन के लिये आवेदन किया है, और इस तथ्य को दृष्टिगोचर करते हुये यह मुझे मालूम पड़ता है कि उक्त करार निम्नलिखित कारणों से रजिस्टर नहीं होना चाहिये, यथा :

दिनांक को आपके यह कारण बताने के लिये अवसर दिया जायेगा कि उक्त करार रजिस्टर क्यों होना चाहिये। अगर उस तारीख को कोई उपयुक्त कारण नहीं बताया गया करार का रजिस्ट्रेशन अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

दिनांक 20.....

आयुक्त

प्रारूप थ

[नियम 50]

इस तथ्य की वजह से कि और के मध्य प्रतिकर अदा करने के लिये एक करार हुआ कहा जाता है और इस तथ्य की वजह से कि ने कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 की धारा 28 के तहत करार के रजिस्ट्रेशन के लिये आवेदन कर दिया है और इस तथ्य की वजह से ही मुझे मालूम पड़ता है कि उक्त करार निम्नलिखित कारणों की वजह से रजिस्टर नहीं किया जाना चाहिये, यथा :

an opportunity will be afforded to the said of showing cause on 20..... why the said agreement should be registered. Any representation which you have to make with regard to the said agreement should be made on that date. If adequate cause is then shown, the agreement may be registered.

Dated the 20.....

Commissioner

FORM R

[Rules 52]

Register of Agreements for the Year 19.....

S.No	Date of agreement	Date of registration	Employer	Workman	Initials of Commissioner	Reference to orders rectifying the register
1	2	3	4	5	6	7

□□□

दिनांक.....20.....को कारण बताने के लिये उक्त.....को अवसर दिया जायेगा कि उक्त करार रजिस्टर क्यों किया जाना चाहिये। कोई प्रतिनिधित्व जो आपको उक्त करार के सम्बन्ध में करना हो उसी तारीख को किया जाये। यदि उस समय उचित कारण दर्शाया गया तो करार को रजिस्टर किया जा सकेगा।

दिनांक.....20.....

आयुक्त

प्ररूप द

[नियम 52]

वर्ष 20.....के लिये करारों का रजिस्टर

क्रम सं०	करार की तारीख	रजिस्ट्रेशन की तारीख	नियोजक	कर्मकार	आयुक्त के हस्ताक्षर	रजिस्टर परीक्षोपधनकारी आदेशों का निर्देश
1	2	3	4	5	6	7

□□□